R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 85
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
बुधवार, 03 दिसम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 पांडेश्वर नाथ धाम मार्ग पर अतिक्रमण, श्रद्धालु परेशान
5 डीईओ ने की एसआईआर कार्यों की समीक्षा ...
7 ऑनलाइन सट्टेबाजी के जाल में फंसी अभिनेत्री ...

अमृतपाल की स्पीच लगा देगी आग, पेरोल याचिका पर हाईकोर्ट में पंजाब सरकार की दलील

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। असम के डिब्रूगढ़ जेल में बंद खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह की पेरोल याचिका पर सुनवाई के दौरान सोमवार को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को निर्देश दिया गया कि उस मूलभूत आधार एवं सामग्री को कोर्ट में पेश करे जिसके आधार पर पेरोल अर्जी को खारिज किया गया था। पंजाब सरकार की तरफ से समय दिए जाने की मांग पर चीफ जस्टिस शील नागू और जस्टिस संजीव बेरी की खंडपीठ ने मामले पर 8 दिसंबर के लिए सुनवाई तय की है। पंजाब सरकार की तरफ से सीनियर एडवोकेट अनुपम गुप्ता ने कोर्ट में कहा यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीयहित से जुड़ा है। यदि अमृतपाल को पेरोल मिलती है तो उसे बोलने की आजादी मिल जाएगी और इससे कानून व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। सांसद अमृतपाल सिंह की संसद सत्र में शामिल होने की मांग को लेकर दाखिल याचिका का विरोध करते हुए पंजाब सरकार ने कहा कि यदि यह अनुमति दी गई तो उसकी एक स्पीच से पंजाब की पांच नदियों (पंज-आब) में आग लग सकती है।

अमृतपाल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजविंदर सिंह बैंस ने दलील दी कि राज्य सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) की धारा 15 के तहत अपने विवेकाधिकार का दुरुपयोग करते हुए, बिना किसी विशिष्ट तथ्य से जुड़े एक 'गुप्त' अस्वीकृति आदेश जारी किया है। तर्क दिया गया कि अमृतपाल पंजाब में प्रवेश नहीं करना चाहते, बल्कि हिरासत में अपने संसदीय कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहते हैं। पैरोल की व्यवस्था कड़ी शर्तों के साथ की जा सकती है। याचिकाकर्ता यह वचन देने को तैयार है कि वह लगाई गई शर्तों का पालन करेगा। उन्होंने कहा कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा को कैसे नुकसान पहुँचता है (राज्य का यह दावा कि पैरोल की अनुमति देने से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो सकता है)? विवेकाधिकार क़ानूनी, तर्कसंगत और निष्पक्ष होना चाहिए। उन्हें यह बताना होगा कि संसद में उपस्थिति खतरा क्यों है। उन्होंने विस्तार से बताया कि सांसद अगस्त में पंजाब में आई बाढ़ से हुए नुकसान का मुद्दा उठाना चाहते हैं, जिससे उनके निर्वाचन क्षेत्र के लगभग 800 गाँव प्रभावित हुए थे।

पीएम ने 19 वर्षीय देवव्रत की वेदमूर्ति क्षमता को सराहा, कहा - गुरु परंपरा का अद्भुत उदाहरण

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को शुक्ल यजुर्वेद की माध्यंदिनी शाखा के 2, 000 मंत्रों वाले दंडक्रम पारायण को 50 दिनों में बिना किसी रुकावट के पूरा करने के लिए 19 वर्षीय वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे की सराहना की और इसे एक ऐसी उपलब्धि बताया जिसे आने वाली पीढ़ियाँ याद रखेंगी। उन्होंने कहा कि 19 वर्षीय वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे ने जो किया है उसे आने वाली पीढ़ियाँ याद रखेंगी! भारतीय संस्कृति से जुड़े हर व्यक्ति को उन पर गर्व है कि उन्होंने शुक्ल यजुर्वेद की माध्यंदिनी शाखा के 2, 000 मंत्रों वाले दंडक्रम पारायण को बिना किसी रुकावट के 50 दिनों में पूरा किया।

नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि इसमें कई वैदिक श्लोक और पवित्र शब्दों का त्रुटिहीन उच्चारण शामिल है। वे हमारी गुरु परंपरा के सर्वोत्तम स्वरूप हैं। काशी के सांसद होने के नाते, मुझे खुशी है कि यह असाधारण उपलब्धि इस पवित्र नगरी में हुई। उनके परिवार, विभिन्न संतों, द्रष्टाओं, विद्वानों और पूरे भारत के उन संगठनों को मेरा प्रणाम जिन्होंने उनका समर्थन किया। इस बीच, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा के झज्जर स्थित सिद्ध बाबा पालननाथ आश्रम के अपने दौरे के दौरान प्राण प्रतिष्ठा और आत्म भंडारा समारोह में भाग लेते हुए सनातन संस्कृति की स्थायी प्रासंगिकता और मानव विकास पर इसके प्रभाव पर प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन संस्कृति दुनिया की सबसे प्राचीन संस्कृति है और इसने मानव विकास को आकार दिया है। हमारी पूजा पद्धतियाँ और ज्ञान-साझाकरण की परंपराएँ अलग-अलग हैं। इस परंपरा में नाथ संप्रदाय की प्रमुख भूमिका है। कैलाश के शिव से लेकर रामेश्वरम के शिव मंदिर तक, ये सभी हमें एक साथ जोड़ते हैं।

इससे पहले, मुख्यमंत्री योगी ने गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में 'जनता दर्शन' किया, जहाँ उन्होंने जिले भर से आए लोगों से मुलाकात की, उनके आवेदनों की समीक्षा की और उन्हें समय पर समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित बच्चों से भी बातचीत की। 16 नवंबर को, मुख्यमंत्री ने लखनऊ में एक और जनता दर्शन किया, जहाँ उन्होंने महिलाओं और बच्चों की शिकायतें सुनीं और उन्हें सहायता और त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

800 किमी/घंटा की रफ्तार से लड़ाकू विमान का एस्केप सिस्टम का सफल परीक्षण, डीआरडीओ ने रचा इतिहास

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने चंडीगढ़ में टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी (टीबीआरएल) की रेल ट्रैक रॉकेट स्लेड (आरटीआरएस) सुविधा में 800 किमी/घंटा की सटीक नियंत्रित गति से लड़ाकू विमान एस्केप सिस्टम का उच्च गति रॉकेट-स्लेज परीक्षण सफलतापूर्वक किया है, जिसमें कैनोपी सेवरेंस, इजेक्शन अनुक्रमण और पूर्ण एयरक्रू-रिकवरी को मान्य किया गया है। यह परीक्षण एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के सहयोग से किया गया। यह जटिल गतिशील परीक्षण भारत को उन्नत आंतरिक एस्केप सिस्टम परीक्षण क्षमता वाले विशिष्ट देशों के समूह में शामिल करता है।

गतिशील इजेक्शन परीक्षण, नेट टेस्ट या जीरो-जीरो टेस्ट जैसे स्थैतिक परीक्षणों की तुलना में काफ़ी जटिल होते हैं, और इजेक्शन सीट के प्रदर्शन और कैनोपी सेवरेंस सिस्टम की प्रभावकारिता के मूल्यांकन का एक वास्तविक उपाय हैं। एलसीए विमान के अग्रभाग के साथ एक दोहरे स्लेज सिस्टम को कई ठोस प्रणोदक रॉकेट मोटर्स के चरणबद्ध प्रज्वलन के माध्यम से सटीक रूप से नियंत्रित वेग से प्रक्षेपित किया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लड़ाकू विमान एस्केप सिस्टम के उच्च गति वाले रॉकेट स्लेज परीक्षण के सफल आयोजन पर डीआरडीओ, भारतीय वायुसेना, एडीए, एचएएल और उद्योग जगत की सराहना की है और इसे आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमता के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया है।

संचार साथी ऐप को लेकर विपक्ष पर बरसे संबित पात्रा, कहा - दुष्प्रचार के साथी समझ नहीं पाएंगे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने स्पष्ट किया कि संचार साथी ऐप सरकारी निगरानी के लिए नहीं है। यह ऐप व्यक्तिगत डेटा, संदेशों या कॉल तक पहुँच नहीं सकता। इसका मुख्य उद्देश्य उपयोगकर्ता सुरक्षा बढ़ाना, धोखाधड़ी रोकना और खोए या चोरी हुए मोबाइल फ़ोन को ट्रैक करना है। पात्रा ने कहा कि पार्लियामेंट का शीतकालीन सत्र चल रहा है और आप देख रहें हैं कि कल से आज तक का सफर किस प्रकार का रहा है।

पात्रा ने कहा कि एक विषय है - जिस प्रकार से संसद के सदस्यों का और पार्लियामेंट की बिल्डिंग अंदर काम कर रहे सभी कर्मचारियों का कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के सर्वोच्च नेता ने अपने बयान से बहुत अपमानित किया है। दूसरा विषय संचार साथी का है, इस पर भी संक्षेप में चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि लोग पूछ रहे हैं कि क्या संचार साथी ऐप सरकारी जासूसी के लिए है? क्या सरकार आपकी जासूसी करना चाहती है? नहीं – नहीं – नहीं। सरकार किसी की जासूसी नहीं करना चाहती।

विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि जो दुष्प्रचार के साथी हैं, वो संचार साथी को को समझ नहीं पाएंगे। इसलिए उन दुष्प्रचार के साथियों को हम तथ्य बताएंगे, वो फिर भी समझ नहीं पाएंगे। मगर जनता-जनार्दन तक तथ्य पहुंचाना हमारा काम है। उन्होंने कहा कि संचार साथी से सरकार कोई जासूसी नहीं करना चाहती है। ये एप आपके मैसेज नहीं पढ़ सकती, आपके कॉल नहीं सुन सकती, ये आपके निजी डाटा तक नहीं पहुंच सकती। इसका काम सुरक्षा प्रदान करने का है, फ्रॉड को रोकने का है, चुराए हुए फोन को ट्रैक करने का है और उसे रोककर उसके मालिक तक पहुंचाने का है।

संबित पात्रा ने स्पष्ट किया कि 'संचार साथी' के बारे में बहुत सारी गलत जानकारी फैली हुई है, इसलिए इस भ्रम को दूर करने के लिए मैं तथ्यों के साथ इसका समाधान करना चाहता हूँ। संचार साथी के ज़रिए सरकार आपकी जासूसी नहीं करना चाहती। संचार साथी आपके संदेश नहीं पढ़ सकता या आपकी कॉल नहीं सुन सकता। यह आपके व्यक्तिगत डेटा तक नहीं पहुँच सकता या उसमें सेंध नहीं लगा सकता। उन्होंने कहा कि संचार साथी का एकमात्र उद्देश्य सुरक्षा प्रदान करना, धोखाधड़ी को रोकना, चोरी हुए मोबाइल फ़ोनों को ट्रैक करना और यह सुनिश्चित करना है कि वे अपने असली उपयोगकर्ताओं को वापस मिल सकें।

उन्होंने कहा कि संचार साथी धोखाधड़ी वाले कॉल और स्पैम नंबरों की भी पहचान करता है। आप संचार साथी के माध्यम से स्पैम और दुर्भावनापूर्ण लिंक की रिपोर्ट कर सकते हैं। इसका उद्देश्य मोबाइल उपयोगकर्ताओं को धोखाधड़ी से बचाना है। मोबाइल फ़ोनों में आईएमईआई डुप्लीकेशन के मामलों में वृद्धि हुई है। संचार साथी इस डुप्लीकेशन को रोकने में मदद करता है और खोए या चोरी हुए मोबाइल उपकरणों को पुनः प्राप्त करने में सहायता करता है।

संचार साथी निगरानी का साधन नहीं, जनभागीदारी पर आधारित नागरिक सुरक्षा प्लेटफॉर्म हैः सिंधिया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज संचार साथी ऐप को लेकर उत्पन्न सभी भ्रम दूर करते हुए स्पष्ट किया कि यह ऐप पूरी तरह लोकतांत्रिक, स्वैच्छिक और ग्राहक-केंद्रित है। नागरिक इसे अपनी सुविधा के अनुसार सक्रिय कर सकते हैं और चाहे तो किसी भी समय ऐप को डिलीट भी कर सकते हैं। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा, हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। संचार साथी उसी दिशा में एक मज़बूत कदम है, जो हर मोबाइल यूज़र को सशक्त, सुरक्षित और जागरूक बनाता है। यह निगरानी का माध्यम नहीं, बल्कि जनभागीदारी पर आधारित एक पारदर्शी डिजिटल सुरक्षा प्लेटफॉर्म है। उन्होंने बताया कि यह ऐप और पोर्टल नागरिकों को अपने मोबाइल नंबर की सुरक्षा, फर्जी कनेक्शनों की पहचान, खोए-चोरी हुए फोन की ट्रैकिंग और साइबर ठगी से बचाव जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में सक्षम बनाता है। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने बताया कि ऐप के कॉल लॉग फीचर के माध्यम से किसी भी संदिग्ध नंबर की शिकायत दर्ज की जा सकती है, जिससे नागरिक स्वयं और दूसरों को संभावित धोखाधड़ी से बचा सकते हैं। सिंधिया ने कहा डिजिटल सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। संचार साथी पूरी तरह स्वैच्छिक, उपयोगकर्ता-केंद्रित और पारदर्शी है, जो भारत के मोबाइल उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए समर्पित है, बिना उनकी निजता से किसी भी तरह का समझौता किए। ऐप को सक्रिय करना या डिलीट करना सब कुछ नागरिक के पूर्ण नियंत्रण में है।

'तुम नालायक हो': संसद में एसआईआर विवाद के बीच रेणुका चौधरी ने किरण रिजिजू पर किया पलटवार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस की राज्यसभा सांसद रेणुका चौधरी ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू पर तीखा हमला बोला और उन्हें 'नालायक' (बेकार) करार दिया। रिजिजू ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर संसदीय कार्यवाही में बाधा डालने के लिए विपक्ष की आलोचना की थी। संसद के बाहर एएनआई से बात करते हुए, चौधरी ने केंद्र सरकार पर सदन को प्रभावी ढंग से चलाने में विफल रहने का आरोप लगाया।

रेणुका चौधरी ने कहा, 'अरे तुम नालायक हो तो हम क्या करें, तुमको चलाना नहीं आता तो हम क्या करें? हम मुद्दा भी न उठाएं? क्या वे चाहते हैं कि हम 'हाँ' सर और 'ना' सर करें? यह नहीं चलेगा। हम सांसद हैं, और लोगों की आवाज़ उठाना हमारा कर्तव्य है। उनका यह तीखा हमला रिजिजू के इस बयान के बाद आया कि हालाँकि हर चिंता का महत्व होता है, लेकिन संसद की कार्यवाही को बाधित करने के लिए उनका इस्तेमाल करना सही नहीं है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सभी मुद्दे अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, लेकिन अगर आप इन मुद्दों को संसद को ठप करने के हथियार के रूप में इस्तेमाल करते हैं, तो यह सही नहीं है... हम विपक्षी नेताओं से बात करेंगे। मैं पहले से ही उनके संपर्क में हूँ... हम उनके मुद्दों को कम नहीं आंक रहे हैं, लेकिन देश में एक नहीं, कई मुद्दे हैं। शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी सांसदों के हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। स्पीकर ओम बिरला ने सदन में व्यवधानों को दूर करने और व्यवस्था बहाल करने के लिए विपक्षी नेताओं और मंत्रियों को बैठक के लिए बुलाया।

इस बीच, रेणुका चौधरी ने मोबाइल फोन में संचार साथी ऐप को पहले से इंस्टॉल करना अनिवार्य करने पर केंद्र की आलोचना की और इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया। उन्होंने कहा कि वे पेगासस लेकर आए और उसे नियंत्रित नहीं कर पाए। सांसद और विधायक सभी कहते हैं कि उनके फोन टैप किए जा रहे हैं। पिछले 11 सालों से भारतीयों के बुनियादी अधिकार छीने जा रहे हैं। यही राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए असली खतरा है। चौधरी ने राज्यसभा में संचार साथी ऐप पर स्थगन प्रस्ताव भी दायर किया था।

सांस्कृतिक सेतु 'काशी-तमिल संगमम' का शुभारंभ, पीएम मोदी ने जताई ख़ुशी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को काशी तमिल संगमम के शुभारंभ पर अपनी शुभकामनाएं दीं और इस आयोजन को एक जीवंत उत्सव बताया जो एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना के तहत सांस्कृतिक एकता को मज़बूत करता है।" पर साझा की गई एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज काशी तमिल संगमम के शुभारंभ पर, मैं इस जीवंत कार्यक्रम के लिए अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ जो 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और गहरा करता है। मैं संगमम में आने वाले सभी लोगों के लिए काशी में एक सुखद और यादगार प्रवास की कामना करता हूँ!

अपने नवीनतम मन की बात संबोधन में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया की सबसे प्राचीन भाषा और दुनिया के सबसे प्राचीनतम जीवित शहरों में से एक - काशी तमिल संगमम - के असाधारण संगम पर विचार किया। उन्होंने 2 दिसंबर, 2025 को नमो घाट और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में शुरू होने वाले आगामी काशी तमिल संगमम पर प्रकाश डाला, जिसका प्रेरक विषय तमिल सीखें - तमिल करकलम है।

यह इस बात की याद दिलाता है कि कैसे केटीएस भाषा, विरासत और एकता का जश्न मनाने का एक प्रिय मंच बन गया है, क्योंकि काशी तमिलनाडु का गर्मजोशी और गर्व के साथ स्वागत करने के लिए तैयार है। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सुदृढ़ करने वाले एक दूरदर्शी संदेश में, प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी तमिल संगमम भाषा और संस्कृति का एक अद्भुत संगम है। अपने संबोधन में, उन्होंने कहा कि जब दुनिया की सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक तमिल और दुनिया के सबसे प्राचीन शहरों में से एक काशी एक मंच पर एक साथ आते हैं, तो दृश्य वास्तव में असाधारण होता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह आयोजन तमिल भाषा और संस्कृति से प्रेम करने वालों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बनकर उभरा है। काशीवासियों में उत्साह और तमिलनाडु से आए अतिथियों के स्वागत की तैयारियाँ अद्भुत हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब भी वे काशीवासियों से बात करते हैं, तो वे बताते हैं कि काशी-तमिल संगमम का हिस्सा बनना उनके लिए एक अत्यंत आनंददायक अनुभव है। यह मंच उन्हें नई चीजें सीखने, विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से मिलने और तमिल संस्कृति को करीब से समझने का अवसर प्रदान करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि काशीवासी एक बार फिर तमिलनाडु से आने वाले अपने भाइयों और बहनों का स्वागत करने के लिए पूरे उत्साह के साथ तैयार हैं।

1989 के रुबैया सईद अपहरण काण्ड में हुई नई गिरफ्तारी आतंक के किसी भी आरोपी को नहीं बख्शेगी सीबीआई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जम्मू-कश्मीर में तीन दशकों से अधिक समय से लंबित एक संवेदनशील मामले में सीबीआई ने सोमवार को श्रीनगर से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी 1989 में तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण से जुड़े मामले में हुई है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान शफात अहमद शुंगलू के रूप में हुई है, जिसे गवाहों के बयान और स्वयं रुबैया सईद के अदालत में दिए गए बयानों के आधार पर आरोपपत्र में नामित किया गया था।

सूत्रों के अनुसार, रुबैया सईद उस दिन लाल चौक स्थित अस्पताल से अपने नवगाम स्थित घर लौट रही थीं, जहां से रोज़ाना की तरह उनकी आवाजाही होती थी। इसी दौरान रास्ते में उनका अपहरण कर लिया गया। उनकी गुमशुदगी के लगभग दो घंटे बाद मुफ्ती मोहम्मद सईद के पास एक अज्ञात व्यक्ति का फ़ोन आया, जिसने अपहरण की पुष्टि की और अपनी राजनीतिक-सुरक्षा मांगों का संकेत दिया।

हम आपको याद दिला दें कि अपहरणकर्ताओं की मांग पर केंद्र सरकार ने रुबैया सईद की रिहाई के बदले पाँच क़ैद आतंकियों को रिहा करने का फैसला किया था। यह निर्णय उस समय काफी विवादित रहा था और बाद के वर्षों में इसके दूरगामी प्रभाव सामने आए थे। जिन आतंकियों को छोड़ा गया था, उनमें से कुछ बाद में वर्ष 1999 में इंडियन एयरलाइंस की फ़्लाइट आईसी-814 के अपहरण में शामिल पाए गए थे, जिसने देश को एक और बड़े संकट में धकेल दिया था।

हम आपको बता दें कि उस समय जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री रहे फ़ारूक़ अब्दुल्ला ने उक्त रिहाई का कड़ा विरोध किया था। दिलचस्प बात यह है कि फ़ारूक़ अब्दुल्ला 1999 के कंधार विमान अपहरण के दौरान भी मुख्यमंत्री थे, जब भारत सरकार को तीन आतंकियों को रिहा करना पड़ा था।

फ़ारूक़ अब्दुल्ला के बेटे उमर अब्दुल्ला ने हाल ही में इन घटनाओं को याद करते हुए कहा, 'यह दूसरी बार था जब मेरे पिता को मजबूरी में लोगों को रिहा करना पड़ा था।' उन्होंने आगे कहा था कि रुबैया सईद की रिहाई के बाद आईसी-814 के अपहृत यात्रियों के परिवारों ने इसी घटना को एक उदाहरण के रूप में रखा था। उमर अब्दुल्ला ने कहा था, 'लोगों ने पूछा कि जब एक गृह मंत्री की बेटी के लिए आतंकियों को छोड़ा जा सकता है, तो हमारे परिवार कम कीमती क्यों? क्या देश में सिर्फ वही बेटी महत्वपूर्ण थी?' उनके अनुसार, 1989 का यह फैसला 1999 के कंधार संकट के दौरान की गई मांगों को आकार देने वाला एक निर्णायक कारक बना था।

देखा जाये तो इस ऐतिहासिक मामले में सीबीआई की ताज़ा गिरफ्तारी उन अधूरी कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करने की दिशा में भी एक कदम है, जिनके कारण तीन दशकों से न्याय की दिशा में सवाल उठते रहे हैं। वहीं, यह गिरफ्तारी उस उथल-पुथल भरे दौर की फिर से याद दिलाती है, जिसने कश्मीर और राष्ट्रीय सुरक्षा की नीतियों को लंबे समय तक प्रभावित किया।

देखा जाये तो रुबैया सईद अपहरण मामला भारत की आतंक-नीति, राजनीतिक दबावों और संकट-प्रबंधन के इतिहास का एक अहम अध्याय है। इस एक घटना ने न सिर्फ तत्कालीन सरकार के निर्णय लेने की क्षमता पर प्रश्न उठाए, बल्कि बाद के वर्षों में हुए कंधार संकट जैसे प्रसंगों को भी गहरी तरह प्रभावित किया। यह सच है कि किसी भी सरकार के सामने मानव जीवन बचाना सर्वोच्च प्राथमिकता होती है, लेकिन आतंकियों के दबाव में लगातार रिहाइयाँ अंततः सुरक्षा तंत्र और राष्ट्रीय दृढ़ता को कमजोर करती हैं।

आधार सिस्टम और कानून-व्यवस्था पर अखिलेश ने उठाए सवाल, कहा- जनता को मुद्दों से भटका रही सरकार

मऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव आज मऊ पहुंचे, जहाँ उन्होंने सपा विधायक स्वर्गीय सुधाकर सिंह की तेरही में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य, कानून व्यवस्था और राजनीतिक बयानबाज़ी को लेकर सरकार पर तीखे हमले किए। अखिलेश यादव ने कहा कि खांसी हो तो देसी नुस्खे अपनाएं– गुण, सोंठ, अदरक। उन्होंने कहा कि 'कफ सिरप से बचिए, क्योंकि कुछ लोग इससे मुनाफा कमा रहे हैं। अभी 'वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया' की स्क्रीनिंग चल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कफ सिरप का गलत इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है और यह नशे में इस्तेमाल हो रहा है। मीडिया से बातचीत में अखिलेश ने जयवीर सिंह के बयान पर चुटकी लेते हुए कहा, 'कुछ लोग जवानी में बूढ़े दिखते हैं और कुछ लोग बुढ़ापे में जवान दिखते हैं। संजय निषाद द्वारा दिया गया बयान कि 'बलिया के लोग अंग्रेजों के दलाल थे', इस पर अखिलेश यादव ने कहा, 'ये जानबूझकर नहीं बोलवाया गया, ये मुख्यमंत्री की रणनीति है। इन्हें असली मुद्दों से बचने के लिए उलझाया जा रहा है, क्योंकि इन्हें कफ सिरप वाले सवालों का जवाब नहीं देना है।' उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में गांजा और कफ सिरप का गलत उपयोग बढ़ रहा है। 'कभी 5 किलो, कभी 10 किलो गांजा पकड़ा जा रहा है, अब गांजा कम पड़ रहा है तो कफ सिरप चल रहा है। अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि सरकार कहीं 'किमजांग' के रास्ते पर तो नहीं चल रही है। आधार कार्ड पर निशाना साधते हुए कहा, 'आज आधार कार्ड का आधार ही खत्म हो गया है।

डीएम ने अझुवा में हाइवे पर कट खोले जाने की मॉग के दृष्टिगत भ्रमण कर लिया जायजा

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने क्षेत्रवासियों द्वारा अझुवा में हाइवे पर कट खोले जाने की मॉग के दृष्टिगत सोमवार को मौके का भ्रमण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर भ्रमण के दौरान अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रबुद्ध सिंह की अध्यक्षता में कमेटी गठित करने के निर्देश दिए। कमेटी की रिपोर्ट के तदनुसार अग्रिम कार्यवाही की जायेंगी।

ज्ञात हो कि इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रबुद्ध सिंह, उप जिलाधिकारी सिराथू योगेश कुमार गौड़, अधिशासी अभियंता लो.नि.वि. हरिवंश सिंह एवं अध्यक्ष नगर पंचायत अझुवा शान्ती देवी सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने की सिंचाई, जल निगम एवं नलकूप विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा

मानक के अनुरूप सिल्ट सफाई का कार्य समय से सुनिश्चित कराने के निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने मंगलवार को एन.आई.सी. सभागार में सिंचाई, जल निगम एवं नलकूप विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान सहायक अभियंता, सिंचाई से नहरों की सिल्ट सफाई कार्य की प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि मानक के अनुरूप सिल्ट सफाई का कार्य समय से सुनिश्चित कराई जाय। सिल्ट सफाई का कार्य गम्भीरता से लिया जाय, किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाय। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को खण्ड विकास अधिकारियों के माध्यम से सिल्ट सफाई कार्य का सत्यापन कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में अनुपस्थित रहने पर अधिशासी अभियंता, सिंचाई एवं सहायक अभियंता, सिंचाई खण्ड फतेहपुर का वेतन रोकने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने नलकूप विभाग की समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियंता, नलकूप को यान्त्रिक दोष के कारण खराब नलकूपों को एक सप्ताह के अन्दर एवं विद्युत के कारण खराब नलकूपों को आगामी 03 दिन के अन्दर ठीक कराकर क्रियाशील कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जनपद में स्थित कोई भी नलकूप खराब होता है तो उसे तत्काल ठीक कराकर क्रियाशील कराया जाय, ताकि किसानों को सिंचाई के लिए परेशान न होना पड़े। बैठक में अधिशासी अभियंता, नलकूप ने बताया कि 12 नलकूपों को ऊर्जाकृत किया गया है, जिस पर जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को सत्यापन कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने जल-जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा के दौरान कार्यों में अपेक्षित प्रगति न पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए फर्मों को ओवर हेड टैंक का निर्माण कार्य, कनेक्शन एवं पाइप लाइन बिछाने के दौरान तोड़ी गई सड़कों को मानक के अनुरूप ठीक कराने के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्हांने अधिशासी अभियंता, जल निगम से कहा कि ठीक प्रकार से कार्य न करने वाले/लापरवाह फर्मों के विरूद्ध जुर्माना आदि कार्यवाही किया जाय।

बैठक में अधिशासी अभियंता, जल निगम ने कहा कि जिन परियाजनाओं में 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है, उन परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण कराकर शीघ्र ही पेय जलापूर्ति सुनिश्चित कराई जायेंगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के अंतर्गत जनपद कौशाम्बी के विभिन्न थानों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम

मिशन शक्ति का ये पैगाम, हर बेटी बने मजबूत और महान

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में मंगलवार को जनपद के विभिन्न थानों द्वारा मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को नारी सशक्तिकरण, साइबर अपराध, नए कानून, गुड टच-बैड टच तथा हेल्पलाइन नंबरों के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। साथ ही एंटीरोमियो स्क्वाड द्वारा क्षेत्र में भ्रमणशील होकर शोहदों को चेतावनी व हिदायत दी गई।

ज्ञात हो कि महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर जैसे पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, वीमेन पावर हेल्पलाइन 1090, स्वास्थ्य सेवा 102, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930, महिला हेल्पलाइन 181 के बारे में जानकारी दी गई। जनपद कौशाम्बी पुलिस द्वारा मिशन शक्ति अभियान के तहत निरंतर जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, ताकि महिलाएं एवं बालिकाएं सुरक्षित, सशक्त एवं आत्मनिर्भर बन सकें।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बी. महेन्द्र बाबू (B. MAHENDRA BABU) पिता, सोनल धाभाई (SONAL DHABHAI) माता के पुत्र का जन्म प्रमाण पत्र में शिवांश सिंह बंडा (SHIVANSH SINGH BANDA) नाम दर्जित है।

कुछ कारण वश अब अपने पुत्र का नाम संशोधित करके शौर्यवर्धन सिंह बंडा (SHAURYAVARDHAN SINGH BANDA) कर दिया है, इसी नाम को सही माना जाए।

सोनल धाभाई
पत्नी : महेन्द्र बाबू
अस्थायी पता : Q. No. 42, Type-III GC/CRPF
Prayagraj-211013

स्थायी पता : धाभाई मोहल्ला, पुराना शहर तहसील किशनगढ़
जिला अजमेर राजस्थान, पिन-305802

संदिग्ध दशा में फांसी के फंदे पर लटकता मिला युवक का शव

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। कमरे में मंगलवार सुबह रस्सी के सहारे युवक का शव फांसी के फंदे पर लटकता मिला। शव फंदे पर लटका देख परिजनों के होश उड़ गए। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। पूरामुफ्ती थाने के सल्लाहपुर निवासी दिलीप कुमार का 38 वर्षीय बेटा अमित कुमार पेशे से ऑटो चालक था। वह ऑटो चलाकर परिवार का गुजारा करता था। परिजनों के अनुसार, सोमवार को वह परिजनों के साथ एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गया था। लौटने के बाद अपने कमरे में सोने के लिए चला गया।

इसी दौरान संदिग्ध दशा में उसका शव बांस में रस्सी के सहारे लटक रहा था। शव फंदे पर लटका देख परिजनों के होश उड़ गए। उन्होंने शव को फंदे से नीचे उतारा और समीप के ही निजी अस्पताल में लेकर गए। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत से पत्नी नीलम और नौ वर्षीय बेटा ओमजी की रो रोकर हालत खराब है। इस संबंध में चौकी प्रभारी हंसराज सिंह का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद मामले में कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अझुवा का किया आकस्मिक निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अझुवा का आकस्मिक निरीक्षण किया।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने एच.आर.पी. रजिस्टर के अवलोकन पर गर्भवती महिलाओं का मोबाइल नम्बर सहित अन्य सूचनायें अंकित/अपडेट न पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए ए.एन.एम. को गर्भवती महिलाओं का मोबाइल नम्बर अवश्य अंकित करने के निर्देश दिए, ताकि समय-समय पर गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य सलाह के साथ ही जॉच के लिए अस्पताल बुलाया जा सकें। इसके साथ ही उन्होंने ए.एन.एम. से कहा कि हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया जाय। उन्हांने ए.एन.सी. रजिस्टर के अवलोकन करते हुए कहा कि सभी सूचनायें अंकित की जाय तथा गर्भवती महिलाओं की सभी ए.एन.सी. चेक-अप सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने अस्पताल में साफ-सफाई की स्थिति ठीक न पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने एवं स्टॉप नर्स का रोस्टर बनाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने प्रसव कक्ष के निरीक्षण के दौरान कहा कि निर्धारित समयावधि तक प्रसूता महिला को अस्पताल में रोका जाय। उन्होंने 102-एम्बुलेन्स की जॉच के दौरान ई.एम.टी. अवधेश सिंह से कहा कि एम्बुलेन्स में निर्धारित सभी आवश्यक इमर्जेन्सी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित रखी जाय। उन्होंने पैथोलॉजी कक्ष के निरीक्षण के दौरान लैब टेक्नीशियन से उपलब्ध जॉच की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि जॉच के लिए आवश्यक किट की उपलब्धता सुनिश्चित बनाएं रखी जाय। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रबुद्ध सिंह उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने की जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक

निर्माणाधीन ऑगनबाड़ी भवनों का निर्माण कार्य इस माह तक पूर्ण कराने के निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने गत बैठक में दिए गये निर्देशों के अनुपालन की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने ब्लॉक कड़ा के ऑगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति कम पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए और उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी सी.डी.पी.ओ. से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि प्रतिदिन ऑगनबाड़ी केन्द्र खुलें तथा सभी ऑगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की इमेज कैप्चरिंग कर पोषण ट्रैकर पर अपलोड का कार्य सुनिश्चित किया जाय। इसके साथ ही उन्होंने सभी सी.डी.पी.ओ. को सैम एवं मैम बच्चों पर विशेष ध्यान देकर अभिभावकों को जागरूक कर बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा शत-प्रतिशत होम विजिट किया जाय।

जिलाधिकारी ने पोषण ट्रैकर पर गर्भवती महिलाओं की ए.एन.सी. चेक-अप एवं अनुश्रवण के कार्य में लापरवाही पाये जाने पर सी.डी.पी.ओ. कड़ा, सरसवां व सिराथू का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को सभी योजनाओं/कार्यक्रमों की प्रतिदिन अनुश्रवण कर प्रगति सुनिश्चित करने एवं क्षेत्र भ्रमण करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माणाधीन ऑगनबाड़ी केन्द्रों की प्रगति की समीक्षा के दौरान जिला पंचायजराज अधिकारी से कहा कि सभी ऑगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण कार्य इस माह तक पूर्ण करा लिया जाय। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में निर्माणाधीन ऑगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को इस माह तक ऑगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी गैंगस्टर समेत दो बदमाश बंदी

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। करारी थाना पुलिस ने मंगलवार की रात स्वाट टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ में 25 हजार रुपये के इनामी एक गैंगस्टर को गिरफ्तार किया। पकड़े गए बदमाश को जवाबी कार्रवाई के दौरान पैर में गोली लगी है। इस दौरान की गई घेराबंदी में बदमाश का एक अन्य साथी भी पुलिस के हत्थे चढ़ा है। घायल को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। लिखापढ़ी के बाद बुधवार को दोनों का चालान किया जाएगा। एसपी राजेश कुमार ने बताया कि प्रयागराज के पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के मंदर गांव निवासी कुलदीप पुत्र किशन लाल और मिथुन पुत्र वीरेंद्र शातिर अपराधी हैं।

आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने के लिए इन्होंने अपना एक गिरोह बना रखा है। इनके गैंग में कई अन्य बदमाश भी शामिल हैं। बदमाश कुलदीप और मिथुन समेत अन्य के खिलाफ 24 नवंबर को गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद एसपी ने बदमाश कुलदीप के ऊपर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस बदमाशों की सरगर्मी से तलाश कर रही थी। इसी बीच मंगलवार की शाम मुखबिर की सूचना पर अड़हरा गांव के समीप करारी पुलिस व स्वाट टीम ने घेराबंदी की। मुठभेड़ में इनामी बदमाश कुलदीप व उसके साथी मिथुन को गिरफ्तार कर लिया। कुलदीप को जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगी है। उसको मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। एसपी का कहना है कि बदमाशों के पास से चोरी की बाइक, तमंचा व कारतूस बरामद किया गया है।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी सुरियावा - भदोही

पत्रांक : 3058 / वि0म0क्षे0वि0नि0यो0 / है0प0/ स्ट्रीट लाईट / 2025-26 दिनांक 02 दिसम्बर, 2025

अल्पकालीन निविदा दर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विधान मण्डल क्षेत्र विकास योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में मा0 सदस्य विधान परिषद की संस्तुति पर प्रस्तावित / संस्तुत प्राप्त धनराशि से होने वाली धनराशि से प्राक्कलन के अनुसार कार्यो को पूर्ण कराने हेतु फर्मों से निविदा दर आमंत्रित की जाती है, जिसका निविदा प्रपत्र का विकय दिनांक 02.12.2025 से 08.12.2025 को समय 10:00 बजे से 5:00 बजे तक विकास खण्ड के कैशियर से निविदा मूल्य जमा कर प्राप्त किया जा सकता है निविदा दर के साथ धरोहर के रूप निविदा के लागत 02 प्रतिशत धरोहर धनराशि का एफ0डी0आर0 एन0एस0सी0 जो खण्ड विकास अधिकारी सुरियावों के नाम बन्धक संलग्न करना अनिवार्य होगा। अन्य नियम व शर्त की जानकारी कार्यालय अवधि में लेखाकार पटल से देखी व पढ़ी जा सकती है। निविदा दिनांक 09.12.2025 को सुबह 10:00 बजे से 12:00 बजे तक खण्ड विकास अधिकारी के कार्यालय में जमा कि जायेगीं । तथा खण्ड विकास अधिकारी द्वारा गठित निविदा समिति के समक्ष दिनांक 10.12.2025 को 3:00 बजे अपरान्ह यथा स्थान खोली जायेंगी । निविदा स्वीकृति / अस्वीकृति करने एवं तिथि परिवर्तन का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित है।

क0 सं0	कार्य का नाम	ईकाई / मी0	लागत लाख में	कार्य की अवधि
1	विकास खण्ड सुरियावां में 32 अदद सोलर स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य।	32 अद्द	7.19	दो माह
2	विकास खण्ड सुरियावां में 18 अदद इण्डिया मार्का - 2 हैण्डपम्प का अधिष्ठापन कार्य।	18 अद्द	9.80	दो माह
3	विकास खण्ड सुरियावां में 02 अदद इण्डिया मार्का - 2 हैण्डपम्प का अधिष्ठापन कार्य।	2 अद्द	1.09	दो माह

1. निविदा टेण्डर टेण्डर बाक्स में विकास खण्ड मुख्यालय पर निविदादाता फर्मों को डालना होगा।
2. निविदादाता द्वारा निविदा के साथ 2इ की जमनात धनराशि उपरोक्त निर्देशो के तहत मूलरूप से संलग्न करना अनिवार्य होगा ।
3. निविदा के साथ एक पासपोर्ट साइज फोटो तथा नोटरी हलफनामा 100.00 रूपये के स्टाप पेपर पर इस आशय का देना होगा कि फर्म या फर्म के मालिक का संबंध विकास खण्ड में कार्यरत किसी भी अधिकारी / कर्मचारी मा0 प्रमुख से किसी प्रकार कोई संबंध नही हैं। तथा मेरे ऊपर किसी प्रकार का अपराधिक मुकदमा दर्ज नही है ।
4. कोइ भी निविदादाता यादि किसी सरकारी विभाग नही होगी जब तक आयकार विभाग द्वारा व्यापारकर वाणिज्य कर विभाग द्वारा निविदादाता के पक्ष में बकाया का अनापत्ति प्रमाण पत्र निग्रत न कर दिया जाए।
5. कोइ भी निविदादाता यदि किसी सरकारी विभाग में काली सूची में है / किसी अपराधिक मामले में वांछित है तो उसकी निविदा स्वीकृत नही की जायेगी ।
6. निविदादाता द्वारा टी4, टी5 आयकर, वाणिज्यकर, रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र संलग्न कराना अनिवार्य होगा।

बाबू राजबली महिला महाविद्यालय

बरना, झारी, पूरे जयसिंह, जंघई, प्रयागराज

आवश्यकता है–

महाविद्यालय के प्राचार्य एक पद, बी0ए0 पाठ्यक्रम के प्राचीन भारतीय इतिहास, शिक्षाशास्त्र, गृहविज्ञान, हिन्दी साहित्य, राजनीति विज्ञान, संस्कृत एवं समाजशास्त्र विषयों के सहा0आचार्य की आवश्यकता है। शैक्षिक योग्यता, वेतनमान एवं सेवा शर्तें यू0जी0सी0/उत्तर प्रदेश राज्य सरकार/विश्वविद्यालय के मानकानुसार देय होगा।

नोटः इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त अंकपत्रों/प्रमाणपत्रों के साथ महाविद्यालय के पते पर पंजीकृत डाक/व्यक्तिगत उपस्थित होकर विज्ञापन प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर आवेदन कर सकते हैं। साक्षात्कार हेतु सूचना ई–मेल/दूरभाष के माध्यम से दिया जायेगा।

(महेन्द्र कुमार)
प्रबन्धक
मो0नं0–9076742255
E-mail : yanubhav176@gmail.com

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्याः 25/58 दिनांकः 28.11.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई. एस.ओ. 9001:2015 प्रमाणित इकाई)** निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	80254000	सर्वो प्लेक्स SHC-120 (IOCL) ट्रैक्शन मोटर बेयरिंग के लिए ग्रीस	13754 किलो	18.12.2025
2	80251017	शेल गैडस S5 V42 P2.5 ग्रीस	4673 किलो	22.12.2025
3	80251031C	इंहिबिटेड मिनेरल इन्सुलेटिंग ट्रांस्फार्मर ऑइल	81607 लीटर	23.12.2025
4	40253357	इमरजेंसी लाइटिंग यूनिट फॉर इओजी टाइप एलएचवी कोचेज़	932 नग	23.12.2025
5	40253359	रेगुलेटेड बैटरी चार्जर कैपासिटी 6.5 केवीए	52 नग	29.12.2025
6	70253012	वेल्डिंग इलेक्ट्रोड	229579 मीटर	29.12.2025
7	70253054	एमएमए वेल्डिंग इलेक्ट्रोड	23234 किलो	31.12.2025
8	63255525	मेटल लाईनर फॉर यूज विथ इआरसी फलेट टोय ऑन कॉनवरेट स्लीपर फॉर 60 केजी रेल टू आरडीएसओ ड्रग नं0 टी- 3740	1108409.00 Nos.	07.01.2026
9	63255515	मैनुफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ मेटल लाईनर टू आरडीएसओ ड्रग नं0 टी- 8748.	2742954.00 Nos.	05.01.2026
10	64255254	हाईड्रॉलिक मोटर	233.00 Nos.	07.01.2026
11	64255245	हाईड्रॉलिक वेरिएबल डिलीवरी पम्प	131.00 Nos.	09.01.2026
12	64255133B	कैटरपीलर इंजन (275 BHP & 700 BHP)	02.00 Nos.	01.01.2026
13	64255249	हाईड्रॉलिक डिसी वाल्व	1478.00 Nos.	12.01.2026

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र मे कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नही किया जाएगा। 2306/25(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन एवं रिशेड्यूलिंग

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन एवं रिशेड्यूलिंग किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	निर्धारित मार्ग	परिवर्तित मार्ग	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि	स्टेशन पर ठहराव रहेगा
20404	लालगढ़-प्रयागराज	बीकानेर-चूरू-लोहारू-सीकर-जयपुर	चूरू-फतेहपुर शेखावाटी-सीकर	05,08,10, 12,15,17, 19.01.26	फतेहपुर शेखावाटी
			बीकानेर-मेड़ता रोड बाईपास-फुलेरा-जयपुर	22.01.26, 24.01.26	मेड़ता रोड बाईपास-डेगाना-कुचामन सिटी-फुलेरा
20403	प्रयागराज-लालगढ़	जयपुर-लोहारू-चूरू-बीकानेर	जयपुर-फुलेरा-मेड़ता रोड बाईपास-बीकानेर	21.01.26, 23.01.26	फुलेरा-कुचामन सिटी-डेगाना-मेड़ता रोड बाईपास
12404	लालगढ़-प्रयागराज	बीकानेर-चूरू-फतेहपुर शेखावाटी-जयपुर	बीकानेर-मेड़ता रोड बाईपास-फुलेरा-जयपुर	21.01.26, 23.01.26	मेड़ता रोड बाईपास-डेगाना-कुचामन सिटी-फुलेरा
12403	प्रयागराज-लालगढ़	जयपुर-चूरू-बीकानेर	जयपुर-फुलेरा-मेड़ता रोड बाईपास-बीकानेर	20.01.26, 22.01.26	फुलेरा-कुचामन सिटी-डेगाना-मेड़ता रोड बाईपास
12259	सियालदह-बीकानेर	रेवाड़ी-चूरू-बीकानेर	रेवाड़ी-जयपुर-मेड़ता रोड बाईपास-बीकानेर	21.01.26, 22.01.26	अलवर-जयपुर-डेगाना
12260	बीकानेर-सियालदह	बीकानेर-चूरू-रेवाड़ी	बीकानेर-मेड़ता रोड बाईपास-जयपुर-रेवाड़ी	22.01.26, 23.01.26	डेगाना-जयपुर-अलवर

रेलगाड़ी की रिशेड्यूलिंग

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	रिशेड्यूलिंग	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
20404	लालगढ़-प्रयागराज	लालगढ़ से 165 मिनट	05.01.26, 08.01.26, 10.01.26, 12.01.26, 15.01.26, 07.01.26, 19.01.26

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in 2319/25 (ADM)

वाराणसी में हो रहे 'काशी तमिल संगमम् 4.0' में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की इकाई केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

'काशी तमिल संगमम्' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक महत्वपूर्ण पहल है इससे राष्ट्र की एकता और अखंडता को मिल रहा है बल : डॉ. एल. मुरुगन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और संसदीय मामलों के राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने 02 दिसंबर से वाराणसी के नमो घाट पर शुरू हो रहे 'काशी तमिल संगमम् 4.0' में 'काशी एवं तमिल की संस्कृति, महान व्यक्तित्वों एवं केंद्र सरकार के जन कल्याणकारी नीतियों' विषय पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की इकाई केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने कहा कि 'काशी तमिल संगमम्' का आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक महत्वपूर्ण पहल है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इससे जहां एक ओर काशी और तमिल की संस्कृति को आपस में जानने का अवसर मिलता है वहीं दूसरी ओर इससे हमारे राष्ट्र की एकता और अखंडता को और अधिक मजबूती मिलती है। डॉ. एल. मुरुगन ने कहा कि 'काशी तमिल संगमम्' प्रत्येक वर्ष अलग - अलग विषयों पर आयोजित किया जाता है, यह काशी तमिल संगमम् का चतुर्थ संस्करण है तथा इसका विषय है 'तमिल करकलाम' जिसका अर्थ है आइए तमिल सीखें। केंद्रीय मंत्री ने कहा इस प्रकार के आयोजन से काशी और तमिलनाडु के बीच सदियों से स्थापित सांस्कृतिक संबंध और भी मजबूत होंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किये गये जी.एस.टी. सुधार एवं श्रम कानून सुधारो से देश की आम जनता को अत्यधिक फायदा हो रहा है।

काशी और तमिलनाडु के बीच सदियों पुराने संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने वाले 'काशी तमिल संगमम्' के इस चतुर्थ संस्करण में केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा लगायी गयी चित्र प्रदर्शनी में तमिलनाडु एवं काशी की महान विभूतियों के राष्ट्र निर्माण में योगदान एवं उनकी उपलब्धियां को दर्शाया गया है। चित्र प्रदर्शनी में

तमिलनाडु की महान विभूतियों जैसे ऋषि अगस्त्य, तमिल महिला कवि संत अव्वैयार, तमिल कवि संत तिरुवल्लुवर, कवयित्री और संत कारैकल अम्माइयार, भक्ति आंदोलन की कवि एवं संत अंडाल (कोधाई), थिरूनावुक्कारसर, तमिल कवि और समाज सुधारक रामलिंग स्वामी (वल्लालर), तमिल विद्वान यू. वी. स्वामीनाथ अय्यर, अग्रणी समाज सुधारक, चिकित्सक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, ब्रिटिश भारत में पहली महिला विधायक डॉ. मुथुलक्ष्मी रेड्डी, गणितज्ञ निवास रामानुजन, अविष्कारक और उद्योगपति जी.डी. नायडू, खगोलशास्त्री सुब्रमण्यम चंद्रशेखर, भारत में हरित क्रांति के जनक डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन, भारत के पूर्व राष्ट्रपति मिसाइल मैन डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, नोवेल पुरस्कार विजेता वेंकटरामन रामकृष्णन, स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी, भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं महान दार्शनिक डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन, नोबेल पुरस्कार विजेता एवं महान वैज्ञानिक चंद्रशेखर वेंकट रमन, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, सुप्रसिद्ध राजनेता एवं भारत रत्न के. कामराज, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं सुप्रसिद्ध राजनेता चिदंबरम सुब्रमण्यम, महान अभिनेता एवं राजनेता एम. जी. रामचंद्रन इत्यादि के जीवन दर्शन को चित्रों एवं शब्दों में दर्शाया गया है।

इसी प्रकार काशी की महान विभूतियां जैसे संत कबीरदास, संत रविदास, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं शिक्षाविद पंडित मदन मोहन मालवीय, सुप्रसिद्ध शहनाई वादक बिस्मिल्लाह खान, विश्व प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतकार पंडित रविशंकर, महान साहित्यकार जयशंकर प्रसाद इत्यादि के जीवन दर्शन को चित्रों शब्दों के माध्यम से दर्शाया गया है।

चित्र प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किये जा रहे सरकार के जन कल्याणकारी नीतियों, प्रयासों एवं योजनाओं को भी दर्शाया गया है। जिसमें केंद्र सरकार द्वारा हाल में श्रम सुधार के लिए बनाये गये कानूनों, विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं पर जीएसटी के दरों को कम करने के लिये किए गये प्रयासों की जानकारी दर्शकों और जनसामान्य के लिए प्रदर्शित की गई है। यह प्रदर्शनी जनता के दर्शन के लिये 15 दिसंबर तक निरंतर रहेगी।

पांडेश्वर नाथ धाम मार्ग पर अतिक्रमण, श्रद्धालु परेशान

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई (प्रयागराज)। पांडेश्वर नाथ धाम पडीला महादेव मंदिर के मुख्य मार्ग पर स्थानीय व्यापारियों द्वारा किए गए अतिक्रमण से श्रद्धालुओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार के पास बड़ी संख्या में वाहन खड़े होने से मार्ग संकुचित हो गया है, जिसके कारणश्रद्धालुओं को मंदिर में आवागमन में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि यह ऐतिहासिक मंदिर होने के बावजूद मार्ग पर अव्यवस्था लगातार बढ़ती जा रही है। श्रद्धालुओं ने प्रशासन से अविलंब अतिक्रमण हटाने और व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है। प्रशासनिक हस्तक्षेप न होने पर लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है।

छेड़खानी व धमकी का केस दर्ज

थरवई (प्रयागराज)। थरवई थाना क्षेत्र के मदारपुर गांव की 23 वर्षीय रिंकी कुशवाहा पुत्री प्रेमचंद कुशवाहा ने आरोपी विनोद यादव निवासी झूंसी के खिलाफ मंगलवार को थरवई थाने में छेड़खानी एवं जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए लिखित तहरीर दी है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मामले की एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एक दर्जन नल की लोहे की पाइप व टोंटी चोर खोल ले गए लोगों में आक्रोश

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। बाजार में जल निगम की तरफ से हर घर जल योजना के तहत घरों में पानी की सप्लाई के लिए लोहे की पाइप लगाई गई थी। बाजार के लोगों ने पानी सप्लाई के लिए कनेक्शन करा कर लोहे की पाइप में नल लगाने के लिए लोहे की पाइप लगावे हुए थे। सोमवार की बीती रात्रि को घर के बाहर लगे एक दर्जन नल की पाइप व टोंटी को चोर खोलकर चोरी कर ले गए। अशोक साहू, डंगर यादव, राम कैलाश यादव, विपिन सरोज, दीपू गुप्ता, सेराज अहमद आदि लोगों के पाइप व नल की टोंटी चोर खोलकर चोरी कर ले गए। अभी थरवई बाजार में जल निगम की तरफ से पानी सप्लाई चालू भी नहीं हुआ था कि चोरों ने घटना को अंजाम दे दिया। इस घटना से बाजार के लोगों में आक्रोश व्यक्त है। लोगों की शिकायत है की पुलिस रात में गस्त नहीं करती है इस लिए बाजार में चोरी, छिनैती, की घटनाएं बढ़ गई है।

भाजपाइयों ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को दी 64 वें जन्म दिन की बधाई

जे पी नड्डा के नेतृत्व में भाजपा ने नई बुलंदियों को छुआ : महापौर

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। महापौर कार्यालय कीडगंज में भाजपाइयों ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा का 64 वां जन्म दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी ने उनके सचित्र पर टीका चंदन लगाकर और मिठाई खिलाते हुए उन्हें जन्म दिन की बधाई दी और कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने नई बुलंदियों को छुआ है और उनका संगठनात्मक कौशल, जनसेवा के प्रति निष्ठा और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके नेतृत्व में देश स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को हासिल कर रहा है।

भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एक कुशल संगठन शिल्पी के रूप में संगठन को मजबूत बनाया और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री के रूप में भारत के विकास और लोकतंत्र दोनों को एक नई दिशा दी है। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई।

संचालन पार्षद मुकेश कसेरा ने किया। जन्मदिन की बधाई देने वालों में गौरी शंकर वर्मा, शत्रुघ्न जायसवाल, तपन भट्टाचार्य, श्रेष्ठ चौरसिया, मनीष केसरवानी, रमेश श्रीवास्तव बाबी सोनकर, सर्वेश पांडे, हरीश केसरवानी, ईशू केसरवानी, आदि सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

बिहू, राई, फाग और सूफियाना सुरों से सशिल्प मेले की दूसरी शाम

न्यायमूर्ति गौतम चौधरी (इलाहाबाद हाईकोर्ट) ने दीप जलाकर कर सांस्कृतिक संध्या का किया शुभारंभ

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय संस्कृति की बहुरंगी छटा से सराष्ट्रीय शिल्प मेला 2025 की दूसरी शाम लोकनृत्यों और सुरों की मधुर धुनों को समर्पित रही। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शिल्प हाट परिसर में आयोजित इस सांस्कृतिक संध्या ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत भजन गायक मनोज कुमार ने भक्ति रस से पंडाल को सराबोर कर दिया उन्होंने 'फिर कौन बिगाड़ेगा जब राम सहारा दो', 'बोलो राम बोलो जय सिया राम', 'नमो-नमो', 'होली खेले मसाने में' और 'बम-बम बोल रहा है काशी'–से की, जिस पर उपस्थित दर्शकों ने खूब तालियाँ बजाईं। इसके बाद सूफी गायक रोशन पाण्डेय की प्रस्तुति ने महफ़िल को सूफियाना रंग से रंग दिया। उन्होंने 'एक राधा एक मीराष्ठ', 'तू माने या ना माने दिलदारा', 'छाप तिलक' और 'दमादम मस्त कलंदर' जैसे लोकप्रिय गीतों से समां बाँध दिया। सांस्कृतिक विविधता की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए उर्वशी जेटली एवं दल ने गंगा अवतरण पर आधारित नृत्य-नाटिका प्रस्तुत कर दर्शकों को भावुक कर दिया।

असम से आई स्वागता शर्मा एवं दल ने पारंपरिक बिहू नृत्य के माध्यम से पूर्वोत्तर की लोक-संस्कृति की सुगंध बिखेरी। वहीं मध्य प्रदेश से आए जुगल किशोर एवं उनकी टीम ने रंग-बिरंगे परिधानों में बधाई और नौरता नृत्य प्रस्तुत किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

हरियाणा से आए प्रदीप कुमार बमनी और साथी कलाकारों ने फाग गीतों पर आधारित फाग और पनिहारी नृत्य के माध्यम से देवर-भाभी की हंसी-ठिठोली को मंच पर जीवंत किया।

झांसी से आई राधा प्रजापति एवं दल ने बुंदेलखंड के लोकप्रिय राई नृत्य की प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी।तमिलनाडु से आए कलाकारों ने आकर्षक डमी हॉर्स नृत्य प्रस्तुत कर शाम में दक्षिण भारत का खास रंग घोला।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के इस महापर्व का शुभारंभ न्यायमूर्ति गौतम चौधरी (इलाहाबाद हाईकोर्ट) एवं कार्यक्रम सलाहकार कल्पना सहाय द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर सहायक कार्यक्रम अधिशाषी मधुकांत मिश्रा ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन संजय पुरषार्थी ने किया।

पर्यटन मंत्रालय और मास्टरकार्ड ने एमओयू पर दस्तखत किए

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/वाराणसी। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय और मास्टरकार्ड ने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय सैलानियों को भारत की ओर आकर्षित करने के लिए एक दो वर्षीय मैमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर दस्तखत किए हैं। इस सहयोग के अंतर्गत मास्टरकार्ड के ग्लोबल प्लेटफॉर्म्स, जैसे प्राईसलेस प्रोग्राम के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, प्राकृतिक और पाककला की संपदा को पूरे विश्व में बढ़ावा दिया जाएगा। सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल भुगतान की विधियों को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक और निहितधारकों की सहभागिता से पर्यटन का परिवेश मजबूत होगा। विभिन्न तरह के पर्यटकों के लिए मार्केटिंग अभियान चलाए जाएंगे। यह अभियान गोवा से शुरू होगा। इसके बाद प्राइसलेस.कॉम द्वारा वाराणसी में और आंध्र प्रदेश के अंदरूनी इलाकों में दुर्लभ अनुभव पेश किए जाएंगे। इसके बाद यह अभियान अन्य शहरों में आगे बढ़ेगा।

राजा राजमन्नार, चीफ मार्केटिंग एवं कम्युनिकेशंस ऑफिसर, मास्टरकार्ड ने कहा, ''हम भारत की अभूतपूर्व कहानियाँ और पर्यटन स्थल पूरे विश्व के सैलानियों के करीब लाने के लिए पर्यटन मंत्रालय के साथ सहयोग करके गौरवान्वित हैं। हम प्राईसलेस के माध्यम से ऐसे यादगार अनुभव पेश करेंगे, जो न केवल भारत की विस्तृत विरासत पेश करेंगे, बल्कि यहाँ के आधुनिक लोगों की आकांक्षाएं भी प्रदर्शित करेंगे। इस सहयोग से देश-विदेश के सैलानियों को डिजिटल भुगतान का सुरक्षित और सुगम अनुभव प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है।''

इस सहयोग के बारे में भारत सरकार में पर्यटन मंत्री, गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, ''भारत की विरासत, संस्कृति, आध्यात्मिकता, पाककला, प्राकृतिक दृश्य और परंपराएं सैलानियों को बेहतरीन अनुभव प्रदान करते हैं। हम ऐसे तरीके खोजते रहेंगे, जो पूरे विश्व के सैलानियों को इनोवेटिव और प्रभावशाली तरीके से ये अनुभव प्रदान करें। कॉर्पोरेट्स ग्लोबल प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करके भारत को एक लोकप्रिय स्थान बना सकते हैं और हमारे जीवंत पर्यटन के परिवेश में वैश्विक सहभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं।''

कलर्स लेकर आ रहा है सपनों की नई सुबह की कहानी सहर होने को है

प्रयागराज/वाराणस। जब मिलेगी सपनों को उड़ान और बीतेगा रात का पहर, तब होगी उम्मीदों की सहर । कुछ कहानियों की शुरुआत अंधेरे में होती है– खामोशी में ढली, परंपराओं के बोझ तले दबी, और पीढ़ियों से सौंपे गए ज़ख्मों को विरासत की तरह ढोती हुईं। लेकिन हर अंधेरी रात अपनी सुबह का इंतज़ार करती है। सामाजिक मुद्दों से जुड़ी कहानियां दिखाने की अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, कलर्स प्रस्तुत कर रहा है 'सहर होने को है', एक ऐसी माँ की मार्मिक गाथा जिसकी शादी बहुत कम उम्र में करा दी गई थी, और जिसने ठान लिया है कि वह अपनी बेटी के साथ वही इतिहास दोहराने नहीं देगी। अपनी बेटी सहर को वह शिक्षा, आज़ादी और कॅरियर के वो पंख देने के लिए डटी है, जो उसे खुद कभी नहीं मिले। उसकी बेटी को डॉक्टर बनाने की लड़ाई से ही यह कहानी जन्म लेती है, नवाबों के शहर लखनऊ की शायराना गलियों में। लेकिन सेहर के रास्ते में उसके परंपरावादी पिता परवेज़ खड़े हैं, जो उसकी शादी उस्मान के पोते माहिद से करना चाहते हैं। माहिद एक प्रभावशाली परिवार का उत्तराधिकारी है, और इसी बीच वह विज्ञान के व्यक्ति डॉ. फ़रीद से इलाज भी करवा रहा है। माहिद से उसकी शादी रुकवाने और सहर को बचाने की भागदौड़ के बीच, एक मासूम लड़की ज़िंदगी के सबसे नाज़ुक मोड़ पर खड़ी है– क्या सहर अपनी नई सुबह खुद लिख पाएगी, या माँ की तरह अंधेरे में धकेल दी जाएगी? माहिद के रूप में पार्थ समथान, सहर के रूप में ऋषिता कोठारी, कौसर के रूप में माही विज, परवेज़ के रूप में वकार शेख, डॉ. फरीद के रूप में अपूर्व अग्निहोत्री और उस्मान के रूप में दीपक काज़िर अभिनीत, 'सहर होने को है' 2 दिसंबर को प्रीमियर होगा, और उसके बाद हर दिन रात 10:00 बजे केवल कलर्स और जियो हॉटस्टार पर प्रसारित होगा।

मिशन शक्ति टीम द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के निर्देशन तथा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत थाना मेजा की मिशन शक्ति/एंटी रोमियो टीम द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को थाना क्षेत्र में जाकर महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर 101 आदि के बारे में जानकारी दी गई, इसके साथ ही साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जागरूक किया गया।

विश्व विख्यात गंगा आरती पूज्य महामण्डलेश्वर स्वामी असंगानन्द सरस्वती महाराज के श्रीचरणों में श्रद्धांजलि स्वरूप की समर्पित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन परिवार आज अत्यंत वेदन, पीड़ा, शोक और अपार विरह से व्यथित है। परम विद्वान, परम वीतराग, परम वैरागी, प्रातः स्मरणीय पूज्य महामण्डलेश्वर स्वामी असंगानन्द सरस्वती महाराज के दिव्य देवलोक गमन ने सम्पूर्ण संत समाज, दैवी सम्पद् मंडल, परमार्थ निकेतन परिवार और समस्त सनातन जगत को शोकाकुल कर दिया है। उनके साक्षात् दर्शन, कृपा और प्रेरणा से हम सबने एक दिव्य युग को जिया और आज उनके देवलोक गमन के साथ मानो दैवी सम्पद् मंडल के एक अद्वितीय युग का अवसान हो गया।

परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, परम पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती महाराज ने विरह से युक्त कंठ में कहा कि आज दैवी सम्पद् मंडल के एक युग का अंत हो गया।

पूज्य स्वामी के देवलोक गमन ने हम सबको शोकाकुल कर दिया है, परन्तु संत कभी जाते नहीं, वे केवल रूप बदलते हैं। उनकी शक्ति, उनका तेज, उनकी करुणा, उनके आशीर्वाद और उनका आध्यात्मिक मार्गदर्शन सदा-सर्वदा हमारे साथ रहेंगे। उनका जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, यह एक परम्परा का विराम और एक नई प्रेरणा का प्रारम्भ है।

इस अवसर पर स्वामी शुकदेवानन्द ट्रस्ट के ट्रस्टी व्ही के माहेश्वरी जी, रमन अरोड़ा जी, साध्वी आभा सरस्वती, रामअनन्त तिवारी जी, योगाचार्य विमल बधावन जी, अरूण सारस्वत जी, परमार्थ गुरूकुल के सभी आचार्यगण, सभी ऋषिकुमार और परमार्थ निकेतन परिवार की ओर से ब्रह्मलीन पूज्य स्वामी असंगानन्द सरस्वती महाराज के श्रीचरणों में नतमस्तक होकर अंतिम प्रणाम। उनकी शिक्षाओं, उनकी सरलता, उनकी भक्तिभावना और उनकी पवित्र विरासत को अपने जीवन का अंग बनाएँ। पूज्य स्वामी महाराज आपका आशीष सदा हमारे साथ रहेगा।

सम्पादकीय

गहन मतदाता पुनरीक्षण को लेकर दबाव, बूथ स्तरीय अधिकारियों पर काम के साथ जवाबदेही

देश के बारह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में गहन मतदाता पुनरीक्षण यानी एसआइआर को लेकर उठा विवाद लोकतांत्रिक व्यवस्था की सेहत के लिए ठीक नहीं माना जा रहा है। मतदाता सूचियों में संशोधन पहले भी होता रहा है, लेकिन एसआइआर की प्रक्रिया पर जो सवाल उठाए जा रहे हैं, उससे अब तीन मोर्चों पर संघर्ष शुरू होता नजर आ रहा है। पहला मानवीय स्तर पर, दूसरा कानूनी और तीसरा राजनीतिक नफा-नुकसान के तराजू पर भी इस प्रक्रिया को तौला जा रहा है। सवाल है कि इस विवाद का हल कैसे होगा? इसको लेकर अदालत में भी मामले दायर किए गए हैं, लेकिन जाहिर है कि अदालती प्रक्रिया लंबी होती है और इसमें तत्काल फैसला आने की उम्मीद नहीं की जा सकती। बूथ स्तरीय अधिकारियों पर काम का अत्यधिक दबाव होने और कुछ के आत्महत्या कर लेने की खबरों के बीच निर्वाचन आयोग ने एसआइआर की प्रक्रिया की समय सीमा एक सप्ताह बढ़ाकर समस्या के निराकरण की दिशा में कदम बढ़ाया है, लेकिन क्या सात दिन का यह समय पर्याप्त है? क्या इससे जमीनी स्तर पर काम करने वाले अधिकारियों पर वास्तव में दबाव कम हो पाएगा?

एसआइआर को लेकर उठे विवाद में एक अफसोसजनक पहलू यह है कि बूथ स्तरीय अधिकारी निर्धारित समय सीमा में काम के दबाव को सहन नहीं कर पा रहे हैं। गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश से ऐसे अधिकारियों की मौतों और इस्तीफों की कई खबरें आ चुकी हैं। वहीं प्रशासन की सख्ती से कुछ राज्यों में इन अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी तक दर्ज की गई है और कुछ को निलंबित कर दिया गया है। दबाव की अति की इस स्थिति में कर्तव्य और सख्ती के बीच की रेखा धुंधली नजर आने लगी है।

निर्वाचन आयोग ने पिछले दिनों प्रशासनिक अधिकारियों से वस्तुस्थिति पर रपट मांगी थी, जिसके बाद रविवार को आयोग ने एसआइआर की समय सीमा एक सप्ताह बढ़ाने का फैसला किया। आयोग की ओर से कहा गया कि एक सप्ताह का अतिरिक्त समय इसलिए दिया गया, ताकि बूथ स्तरीय अधिकारी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मृत या दूसरी जगह चले गए मतदाताओं का ब्योरा राजनीतिक दलों के साथ साझा कर सकें। इससे यही लगता है कि आयोग ने यह निर्णय प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों पर काम के दबाव की वजह से नहीं लिया है।

एसआइआर को लेकर राजनीतिक मोर्चा भी खुल गया है। केंद्र में सत्तारूढ़ राजग का कहना है कि मतदाता सूची का सत्यापन जरूरी है, ताकि अवैध मतदाताओं का पता चल सके। वहीं विपक्षी दलों का तर्क है कि इस पूरी प्रक्रिया को एक सप्ताह के लिए बढ़ाने के फैसले से इस बात की पुष्टि होती है कि इसे बिना सोचे-समझे जल्दबाजी में शुरू किया गया है। इसके लिए कम कम से एक माह का समय और दिया जाना चाहिए। सवाल है कि इस महत्त्वपूर्ण काम को पूरा करने का जिम्मा जिन बूथ स्तरीय अधिकारियों को सौंपा गया है, अगर वही दबाव और तनाव का शिकार होकर जीवन पर जोखिम के दौर से गुजरने लगें, तो इसकी जवाबदेही किस पर है। कुछ नेताओं ने दबाव की वजह से हो रही ऐसी घटनाओं पर सवाल उठाया है, लेकिन इसका कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया। निर्वाचन आयोग अगर एसआइआर के व्यापक अभियान को सहजता से पूरा करना चाहता है, तो इसके लिए उसे इस काम में लगे लोगों की समस्याओं पर भी गौर करना चाहिए।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती मांग और पर्यावरण की चिंता, कंप्यूटर कोड के अंदर छिपी हुई कई प्रक्रियाएं हमारे जीवन को करने वाली हैं निर्देशित

कृत्रिम मेधा यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का तेजी से विकास इसके नैतिक निहितार्थों और पर्यावरणीय प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ाने लगा है। इसके बढ़ते उपयोग ने अधिक डेटा और कंप्यूटिंग शक्ति की मांग को बढ़ा दिया है, जिससे हमारे प्राकृतिक संसाधनों पर भारी दबाव पड़ा है। अधिकांश एआइ सर्वर डेटा केंद्रों में संग्रहीत होते हैं, जो इलेक्ट्रानिक अपशिष्ट उत्पन्न करते हैं। डेटा केंद्र बड़ी मात्रा में बिजली की खपत करते हैं, जिससे ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन होता है। उन्हें निर्माण और विद्युत घटकों को ठंडा करने के लिए बड़ी मात्रा में पानी की आवश्यकता भी होती है। वैश्विक एआइ मांग में वर्ष 2027 तक 4.2-6.6 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी की खपत होने की संभावना है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था को आभासी रूप में देखा जाता है, लेकिन यह भौतिक संसाधनों और कच्चे माल पर अत्यधिक निर्भर है। डिजिटल उपकरण और बुनियादी ढांचा प्लास्टिक, कांच, सिरेमिक और विभिन्न खनिजों एवं धातुओं से बने होते हैं। दो किलोग्राम के कंप्यूटर को बनाने में भी लगभग 800 किलोग्राम कच्चे माल की आवश्यकता होती है। कृत्रिम मेधा पर आधारित आभासी सहयोग मंच पारंपरिक खोज इंजनों की तुलना में अधिक ऊर्जा का उपयोग करते हैं। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजंसी के अनुसार, इस तरह के सहयोग मंच पर एक अनुरोध के लिए गूगल खोज की तुलना में दस गुना अधिक बिजली की जरूरत होती है।

वर्ष 2021 में मशीन लर्निंग और कृत्रिम मेधा की वैश्विक बिजली मांग में 0.2 फीसद से भी कम और वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 0.1 फीसद से भी कम हिस्सेदारी थी। हाल के वर्षों में मेटा ने मशीन लर्निंग प्रशिक्षण और अनुमान के लिए कंप्यूटिंग मांग में सौ फीसद से अधिक की वार्षिक वृद्धि देखी है। जैसे-जैसे कृत्रिम मेधा का उपयोग बढ़ेगा, ऊर्जा की मांग भी बढ़ेगी, जिससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए कम कार्बन ऊर्जा स्रोतों का उपयोग आवश्यक हो जाएगा। डेटा केंद्र विभिन्न अनुप्रयोगों, जैसे वेबसाइट, क्लाउड या एआइ सेवाओं के लिए डेटा के भंडारण, प्रसंस्करण और वितरण पर निर्भर हैं। एआइ तकनीक वाले डेटा केंद्र अपनी जटिल प्रणाली के संचालन के लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा की खपत करते हैं, जिसका अधिकांश हिस्सा अभी भी जीवाश्म ईंधन से आता है, जिससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन होता है। डेटा संग्रहण के लिए आवश्यक ऊर्जा वर्ष 2026 तक दोगुनी होने की उम्मीद है।

हम डिजिटल युग में रहते हैं, जहां हमारे जीवन को निर्देशित करने वाली कई प्रक्रियाएं कंप्यूटर कोड के अंदर छिपी हुई हैं। इस कारण हमें आगे बढ़ते हुए अधिक पारदर्शिता और पर्यावरण-अनुकूल कृत्रिम मेधा की मांग करनी चाहिए। लोगों को नई तकनीकों के प्रति जागरूक उपभोक्ता बनने की जरूरत है। यह समझना जरूरी है कि आभासी कार्यों में हमारे द्वारा उपयोग किए जाने वाले, सहेजे जाने वाले या उत्पन्न किए जाने वाले डेटा की वास्तविक दुनिया में एक लागत होती है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजंसी के अनुसार, एक गूगल सर्च में 0.3 वाट प्रति घंटे बिजली खर्च होती है, जबकि आभासी सहयोग मंच पर एक अनुरोध में 2.9 वाट प्रति घंटे बिजली खर्च होती है। अगर सहयोग मंच को प्रतिदिन की जाने वाली नौ अरब खोजों में एकीकृत कर दिया जाए, तो बिजली की मांग सालाना दस टेरावाट प्रति घंटे तक पहुंच जाएगी, जो यूरोपीय संघ (ईयू) के लगभग पंद्रह लाख निवासियों द्वारा खपत की जाने वाली ऊर्जा के बराबर है।

जब हम किसी उपकरण को बिजली के साथ जोड़ते हैं तो पता रहता है कि वह किस ऊर्जा ग्रिड का उपयोग कर रहा है और लगभग कितनी ऊर्जा का इस्तेमाल हो रहा है। लेकिन जब हम गूगल या किसी आभासी सहयोग मंच पर कुछ तलाश कर रहे होते हैं, तो वास्तव में पता नहीं होता कि प्रक्रिया कहां चल रही है। भौतिक रूप से हमारे पास बहुत सारा डेटा है, हम उसे संग्रहीत कर रहे हैं। एआइ माडल को प्रशिक्षित करने में भी ऊर्जा की खपत होती है। असल में हम जिस भी डेटा पर अपने माडल को प्रशिक्षित करना चाहते हैं, उसे हजारों बार अपने माडल पर चला रहे हैं। जब किसी एआइ माडल को तैनात किया जाता है, तो उसे हमेशा चालू रखना होता है। ऐसे में डेटा केंद्र के सर्वर भी गर्म हो जाते हैं। इन डेटा केंद्रों को ठंडा करने के लिए कई तरह की तकनीकें अपनाई जाती हैं। कभी-कभी वातानुकूलन तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन ज्यादातर अनिवार्य रूप से पानी का संचरण किया जाता है। जैसे-जैसे डेटा केंद्र ज्यादा सघन होते जाते हैं, इन्हें ज्यादा ठंडक की जरूरत होती है, इसलिए इनमें ज्यादा पानी का इस्तेमाल होता है।

खासकर बड़े डेटा केंद्र, जहां से कृत्रिम मेधा संचालित होती है, उनके पास ऊर्जा के विश्वसनीय स्रोत होने चाहिए। इसलिए, अक्सर ये ऐसी जगहों पर बनाए जाते हैं, जहां गैर-नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत उपलब्ध हों, जैसे प्राकृतिक गैस या कोयले से उत्पन्न ऊर्जा, ताकि एआइ उपकरणों को निर्बाध रूप से ऊर्जा उपलब्ध होती रहे। सौर या पवन ऊर्जा के साथ ऐसा करना मुश्किल होता है, क्योंकि अक्सर मौसम संबंधी कारक ऊर्जा उत्पादन में बाधा डालते हैं। यानी बड़े डेटा केंद्र ऐसी जगहों पर बनाए जाते हैं, जहां ग्रिड अपेक्षाकृत कार्बन-गहन होता है।

एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2023 में डेटा केंद्रों ने अमेरिका की कुल बिजली का 4.4 फीसद इस्तेमाल किया। यह आंकड़ा कृत्रिम मेधा की बढ़ती मांग के हिसाब से वर्ष 2028 तक तीन गुना हो सकता है। कृत्रिम मेधा का तेजी से विस्तार पानी के उपयोग, उत्सर्जन और ई-कचरे को बढ़ा रहा है। वर्ष 2030-2035 तक डेटा केंद्र वैश्विक बिजली उपयोग का बीस फीसद हिस्सा इस्तेमाल कर सकते हैं, जिससे पावर ग्रिड पर भारी दबाव पड़ेगा। शुरूआत में कंप्यूटिंग में ऊर्जा संबंधी चिंताएं उपभोक्ता-केंद्रित थीं, मगर आज पर्यावरणीय स्थिरता, कार्बन उत्सर्जन में कमी और एआइ माडल को अधिक ऊर्जा कुशल बनाने पर ध्यान केंद्रित हो रहा है। एआइ माडल प्रशिक्षण में बार-बार गणनाओं के माध्यम से मापदंडों का समायोजन शामिल है, जिसके लिए अत्यधिक प्रसंस्करण शक्ति की आवश्यकता होती है। प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र में हफ्तों या महीनों का समय लग सकता है, जिससे भारी मात्रा में बिजली की खपत होती है।

इसके अलावा, एआइ माडल को प्रासंगिक बने रहने के लिए अक्सर बार-बार प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है, जिससे ऊर्जा की खपत और बढ़ जाती है। बुनियादी ढांचे की विफलताएं, साफ्टवेयर की अकुशलता और एआइ माडल की बढ़ती जटिलताएं इस तनाव को और बढ़ा देती हैं, जिससे एआइ प्रशिक्षण आधुनिक युग में सबसे अधिक संसाधन-गहन कंप्यूटिंग कार्यों में से एक बन गया है। वर्ष 2014 से 2023 तक सर्वर ऊर्जा उपयोग तीन गुना से भी अधिक हो गया है। मगर राहत की बात यह है कि कंप्यूटर ज्यादा कुशल होते जा रहे हैं। जैसे-जैसे कंप्यूटर प्रोसेसर अधिक कुशल होते जाते हैं, उन्हें चलाने में कम लागत आती है, जिससे कुछ ऊर्जा बचत की भरपाई हो सकती है। इस स्थिति में हमें ऐसे विकल्प विकसित करने होंगे, जिससे ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने में कार्बन उत्सर्जन कम हो तथा एआइ उपकरणों और डेटा केंद्रों के निर्माण से ई-कचरे की समस्या भी उत्पन्न न हो।

तकनीकी संजाल में गुम होते जा रहे हैं नई उम्र के लोग स्नेह और प्रेम का महत्त्व अब नहीं रखता मायने

यह 'जियो और जीने दो' का दर्शन, जो मूलतः भगवान महावीर के अहिंसा सिद्धांत का उच्च आदर्श है, आज के विखंडित समाज में विकृत होकर केवल स्वार्थ और अलगाव का एक विचित्र मंत्र बन गया है। यह वह छद्म-आधुनिकता है, जहां भावनात्मक दूरी को 'आत्मनिर्भरता' का मुलम्मा चढ़ाकर स्वीकार किया जाता है। स्नेह का पात्र अपनी समस्त उपयोगिता खोकर उपेक्षित हो जाता है। यह हृदय की वही पीड़ा है, जिसमें एकाकीपन की टीस है। उपेक्षित हृदय अपनी संतानों के जीवन को देखकर खुद को समझाता है, पर भीतर ही भीतर वह अपने अस्तित्व के मौन एकांत को गिनता है। रिश्तों की वह गर्माहट, जो एक समय जीवन का आधार थी, अब केवल 'अनचाही सलाह' की संज्ञा पाकर उपेक्षा का शिकार हो जाती है।

तकनीकी संजाल में गुम नई उम्र के लोगों ने जिस तरह अपनी एक आभासी दुनिया में ही अपना जीवन झोंक दिया है, उसमें वे तो शायद इस बात का अहसास भी नहीं कर पाते होंगे कि परिवार से लेकर समाज तक में आसपास जीवंत रिश्तों से जीवन को कैसी ऊर्जा मिलती थी। अब तक हालत यह है कि सिर्फ 'निजी दायरा' के नाम पर एकाकीपन की दुनिया और उसके दंश को भी जीवनशैली का एक सहज और स्वाभाविक हिस्सा मान लिया जाता है।

यह समझने की जरूरत तक महसूस नहीं की जाती कि इससे उपजे खालीपन से आगे की जिंदगी एक चुनौती भी बन सकती है। स्नेह और प्रेम का महत्त्व अब मायने नहीं रखता। मगर यह ध्यान रखने की जरूरत है कि जब स्नेह की उपेक्षा होती है, तो व्यक्ति का मूल्य घट जाता है, उसकी बात का नहीं। इस उपेक्षित हृदय का 'होना' ही अब व्यक्ति का दुख बन गया है, जो एकांत में आंसू पोंछता है और अपनी पीड़ा को 'आजादी' का नाम देता है।

वर्षों के इस भावनात्मक सूनेपन पर अचानक 'राय' की मांग आना, शुष्क भूमि पर अचानक बरसी पहली बूंद होती है। यह क्षण एक उपेक्षित हृदय के लिए किसी वरदान से कम नहीं, भले ही यह मांग प्रेमवश नहीं, बल्कि स्व-उपयोगिता के लिए की गई हो। उस हृदय की तृप्ति का आधार केवल यह होता है कि उसे 'योग्य' समझा गया है। मगर यह एक विडंबना है कि जीवन के बड़े निर्णय और खुशियों में जिसे विस्मृत कर दिया गया, उसे याद केवल तब किया जाता है, जब अंतरात्मा पर कोई पाप-बोध का भारी बोझ आ जाए।

यह कैसा विश्वास है, जहां स्नेह का अधिकार केवल नैतिक शुद्धि और पाप-क्षालन के कर्मकांड तक सीमित रह जाता है! आजकल के लोग कई महीनों तक लोभ और भय के द्वंद्व में जीते हैं, प्राप्त अशुभ धन को छिपाते हैं और आखिरकार उसे नकदी में बदल देते हैं। इस लोभ की शुद्धि के लिए वे उस हृदय के पास आते हैं, जिन्हें वे अखंड ममता की शक्ति मानते हैं। यह जानते हुए भी कि उनकी व्यावहारिक चेतना इस समस्या का सामना नहीं कर सकती, वे उस निष्कपट प्रेम के पास आते हैं, जो उसके अशुभ धन से चिपके अनजान आंसुओं को अपनी पवित्रता से धो सके।

जब उपेक्षित हृदय कहता है कि जिस धन में किसी का दुख जुड़ा हो, वह अपने पास नहीं रखना चाहिए, तो यह केवल धर्म-सम्मत सलाह नहीं होती, बल्कि स्वयं की पीड़ा का मौन प्रक्षेपण होता है। यह एक परोक्ष प्रश्न है कि जाने अनजाने में ही सही, हम सबके जीवन में जो यह उपेक्षा और परित्याग का दुख जुड़ा है, उसका शोधन और निवारण कहां किया जाए! यह सलाह अवसरवादियों के लिए एक नैतिक छूट-पत्र बन जाती है। उन्हें गरीबों को दान या कन्या पूजन का मार्ग दिखाया जाता है।

यह भारतीय संस्कृति के 'दान' के सिद्धांत पर आधारित है, जैसा कि यजुर्वेद में कहा गया है- 'दानेन परिचर्या च', यानी दान से ही परिचर्या (शुद्धि) होती है। मगर यहां यह दान केवल नैतिक रिश्वत है- अपने लोभ और कायरता के पाप-बोध को एक त्वरित 'पुण्य' में बदलकर मुक्ति पाने का सौदा। यों भी 'और भी दुख हैं जमाने में मोहब्बत के सिवाष्ठ राहतें और भी हैं वस्ल की राहत के सिवा।' यहां दुख की बात यह है कि उस हृदय की 'राहत' केवल दूसरों के पाप को धोने में सिमट गई है। गरीब और कन्याएं यहां सामाजिक हाशिये की भूमिका निभाते हैं, जहां स्वार्थी लोग अपनी अमानवीय कुंठा निकालते हैं।

इस पूरे प्रसंग में सबसे बड़ा पाखंड वह क्षण है, जब व्यक्ति कहता है कि 'शुभता वस्तु में नहीं, भावना में होती है।' अगर यह सत्य होता, तो कर्म में इसकी झलक दिखती। श्रीमद्भगवद्गीता में कृष्ण कहते हैं- 'यत्करोषि यदश्नासि यज्जुहोषि ददासि यत्। यत्तपस्यसि कौन्तेय तत्कुरुष्व मदर्पणम्।' यानी जो कुछ भी आप करते हैं, खाते हैं, हवन करते हैं, दान देते हैं या तप करते हैं, वह सब मुझे अर्पित कर दें। यहां 'शुभता' तो तब प्रकट हुई, जब उपेक्षित हृदय ने दान का आसान मार्ग सुझाया। यह भावना नहीं, बल्कि सुविधा थी, जिसने लोभ और कायरता पर पवित्रता का आवरण डाल दिया गया। कवि अदम गोंडवी ने शायद ऐसी ही नैतिकता पर व्यंग्य किया होगा- 'तुम्हारी फाइलों में गांव का मौसम गुलाबी है, मगर ये आंकड़े झूठे हैं, ये दावा किताबी है।' यह शुभता का दावा भी वैसा ही झूठा है, जिसने नैतिक स्वीकृति को ही अपनी उपलब्धि मान लिया।

भारत की आर्थिक विकास दर ने पूरे विश्व को चौंकाया

वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 5.6 प्रतिशत रही थी। विशेष रूप से विनिर्माण एवं सेवा के क्षेत्र में वृद्धि दर अतुलनीय रही है। विनिर्माण के क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में 2.2 प्रतिशत की वृद्धि दर रही थी जो वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में बढ़कर 9.1 प्रतिशत की हो गई है। इसी प्रकार, सेवा क्षेत्र में भी वृद्धि दर 9.2 प्रतिशत की रही है। वित्तीय, रियल एस्टेट एवं प्रोफेशनल सेवाओं में तो वृद्धि दर बढ़कर 10.2 प्रतिशत (पिछले वर्ष इसी अवधि में 7.2 प्रतिशत) एवं जन प्रशासन, डिफेंन्स एवं अन्य सेवाओं में वृद्धि दर 9.7 प्रतिशत (पिछले वर्ष 8.9 प्रतिशत) की रही है। व्यापार, होटल, यातायात एवं कम्यूनिकेशन में भी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत (पिछले वर्ष 6.1 प्रतिशत)। केंद्र सरकार के उपक्रमों एवं डिफेन्स के क्षेत्र में भी 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। कृषि क्षेत्र में जरूर वृद्धि पिछले वर्ष 4.1 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष घटकर 3.5 प्रतिशत हो गई है एवं कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र में भी वृद्धि दर पिछले वर्ष 8.4 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष घटकर 7.2 प्रतिशत रही है।

जैसे ही वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े जारी हुए कुछ मूर्धन्य पत्रकार तुरन्त अपने आंकलन के साथ मीडिया में उपस्थित हो गए एवं अपनी प्रतिक्रिया में यह बताने का प्रयास करने लगे कि भारत की आर्थिक विकास दर तो इतनी तेज गति से आगे बढ़ ही नहीं सकती। क्योंकि, वैश्विक स्तर पर इतनी विपरीत परिस्थितियों के बीच एवं विकसित देशों में विकास की धीमी दर एवं कुछ देशों में तो विकास दर के ऋणात्मक रहने के चलते (ध्ध्ंउ देशों की आर्थिक विकास दर 2 प्रतिशत के भी नीचे है), भारत की आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत के ऊपर कैसे रह सकती है। साथ ही, विभिन्न वित्तीय संस्थानों यथा, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई विकास बैंक, विश्व व्यापार संगठन के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर को 7 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान जताया था। फिर, भारत की आर्थिक विकास इस अवधि में 8.2 प्रतिशत कैसे रह सकती है?

हाल ही के समय में केंद्र सरकार ने भारत में आर्थिक क्षेत्र को मजबूत बनाने के उद्देश्य से वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं। इन सुधार कार्यक्रमों का असर अब भारत की आर्थिक विकास दर में तेजी के रूप में दिखाई देने लगा है। आयकर की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपए प्रति वर्ष कर दिया गया है और इसे वित्तीय वर्ष 2025-26 में लागू किया जा चुका है। भारत में 95 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर वस्तु एवं सेवा कर की दरों को (लगभग 10 प्रतिशत तक) कम कर दिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों (रेपो दर) में एक प्रतिशत की कटौती की जा चुकी है एवं दिसम्बर 2025 माह में 25 आधार बिंदुओं की एक और कटौती की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा भारत की मातृशक्ति के बैंक खातों, किसानों के बैंक खातों एवं गरीब वर्ग के बैंक खातों में सीधे ही सहायता की राशि जमा की जा रही है। साथ ही, भारत के लगभग 65 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज प्रति माह उपलब्ध कराया जा रहा है। उक्त उपायों का स्पष्ट असर यह हो रहा है कि भारत के दूर दराज इलाकों में निवासरत गरीब वर्ग के हाथों में सीधे पैसा पहुंच रहा है, जिससे उनकी क्रय शक्ति बढ़ रही है एवं वे इस पैसे से कई प्रकार के उत्पादों का सेवन करने लगे हैं और जिससे अंततः देश में इन उत्पादों की मांग में भारी वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। भारत में निजी उपभोग भी वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही के 4.2 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में 8 प्रतिशत से बढ़ा है। साथ ही केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों में भी 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है, जिससे रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए हैं एवं उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज हुई है।

उक्त कारणों के साथ ही, भारत में धार्मिक पर्यटन में भी भारी वृद्धि हुई है। अब, कई श्रद्धालु परिवार भारत के अयोध्या में प्रभु श्रीराम के नवनिर्मित मंदिर के दर्शन हेतु प्रति माह लाखों की संख्या में पहुंच रहे हैं। इसी प्रकार, वाराणसी स्थित भगवान भोलेनाथ मंदिर, उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर, जम्मू में माता वैष्णो देवी मंदिर, दक्षिण में भगवान तिरुपति बालाजी मंदिर, ओड़िसा के पुरी में स्थित मंदिर, उत्तराखंड स्थित गंगोत्री, यमुनोत्रि, केदारनाथ मंदिर, बद्रीनाथ मंदिर आदि मंदिरों में लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन करने हेतु पहुंच रहे हैं। हाल ही में प्रयागराज में सम्पन्न हुए कुम्भ के मेले में तो 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु देश विदेश से पवित्र त्रिवेणी में स्नान करने हेतु पहुंचे थे। इसी प्रकार, भारत की एक और विशेषता है कि यहां विभिन्न त्यौहारों को बड़े ही उत्साह से भाई-चारे के साथ मनाया जाता है। दीपावली का पावन पर्व एवं दीपावली के आसपास के समय में कई त्यौहार श्रद्धापूर्वक मनाए जाते हैं एवं इन त्यौहारों पर समाज में परिवारों द्वारा लाखों करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं। इस वर्ष एक आकलन के अनुसार दीपावली के पावन पर्व एवं दीपावली के समय के आसपास के समय में मनाए गए विभिन्न त्यौहारों पर 6 लाख करोड़ रुपए के विभिन्न उत्पादों की बिक्री भारत में हुई है। फिर, शादियों का मौसम भी प्रारम्भ होता है जिसमें करोड़ों की संख्या में विवाह समारोह सम्पन्न होते हैं, इन विवाह समारोहों में भी लाखों करोड़ रुपए का खर्च भारतीय समाज द्वारा किया जाता है। इन कारणों के चलते भी भारत में हाल ही के समय में उत्पादों की मांग में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। जिससे, अंततः इन उत्पादों का निर्माण भी भारत में होने लगा है तथा विनिर्माण के क्षेत्र में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

दरअसल, विदेशी वित्तीय संस्थान भारत की संस्कृति से पूर्णत अनभिज्ञ हैं एवं पश्चिमी देशों की संस्कृति के अनुसार विकसित किए गए मॉडल से भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगा रहे हैं। इन मॉडल के अनुसार जहां, इन विभिन्न विदेशी वित्तीय संस्थानों द्वारा 6 से 7 प्रतिशत के बीच की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगाया जाता है वहीं भारत की आर्थिक विकास दर अब 8 प्रतिशत की दर को भी पार करती हुई दिखाई दे रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इन वित्तीय संस्थानों के आंकलन में इतना भारी अंतर सोच का विषय है। अब भारत के आर्थिक विकास के सम्बंध में अनुमानों को आंकने के लिए भारतीय मॉडल ही विकसित करने की आवश्यकता है। वरना, इसी प्रकार की गलतियां इन विदेशी वित्तीय संस्थानों द्वारा की जाती रहेंगी एवं भारत में कुछ विघ्न संतोषी पत्रकार इसी प्रकार देश के आर्थिक विकास की दर पर अपनी शंका-कुशंकाओं को समाज के बीच में लाते रहेंगे और गलत विमर्श खड़ा करने का प्रयास करते रहेंगे।

हां, भारत में ऐसे कुछ क्षेत्र जरूर हैं जिनमे विकास दर को गति देने के प्रयास किए जाने चाहिए। जैसे, भारत में खदानों से उत्पादन में वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में 0.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, पिछले वर्ष भी इसी अवधि में 0.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई थी। जब देश में विनिर्माण के क्षेत्र में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा रही है तो फिर खदानों से उत्पादन क्यों नहीं बढ़ना चाहिए? इसका आश्य कहीं यह तो नहीं कि हम कच्चे माल की जरूरतों को आयात के माध्यम से पूरा करने का प्रयास कर रहे हों। इस बीच भारत में आयात की मात्रा में भी भारी वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि उत्पादों के निर्यात में वृद्धि दर कुछ धीमी रही है। उक्त अवधि (तिमाही) के दौरान, भारत में उत्पादों का आयात 18, 500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, जबकि भारत से उत्पादों का निर्यात 10, 500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है। इस प्रकार, कुल व्यापार घाटा बढ़कर 8, 000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है। इस प्रकार, भारत में कच्चे माल के उपयोग में आत्म निर्भरता हासिल करना आवश्यक हो गया है। जिन वस्तुओं का उत्पादन भारत में ही आसानी से सम्भव है, उनका आयात बंद अथवा कम करना ही होगा। अन्यथा, की स्थिति में भारत को अपने व्यापार घाटे को संतुलित करना, अति मुश्किल कार्य हो जाने वाला है। सामाजिक स्तर पर भी इस समस्या का हल निकालना होगा। केवल देश में ही उत्पादित वस्तुओं का उपयोग करना आज प्रत्येक परिवार का कर्तव्य बन जाना चाहिए। देश में बढ़ती मांग की आपूर्ति यदि देश में ही निर्मित वस्तुओं से होने लगेगी तो विदेशी संस्थाओं द्वारा भारत में अपने उत्पाद बेचकर कमाए जाने वाले लाभ को वे अपने देश में नहीं ले जा सकेंगे और इससे अंततः भारत के व्यापार घाटे को भी नियंत्रित किया जा सकेगा।

ज्ञानपुर पुलिसकर्मियों द्वारा लावारिस बच्चे को परिजनों को सकुशल सुपुर्द किया गया

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। थाना ज्ञानपुर पर सूचना प्राप्त हुआ कि थाना क्षेत्र अंतर्गत हरिहरनाथ मंदिर में एक लावारिश बच्चा जिसकी उम्र करीब 09 वर्ष हैं भटककर आ गया है। सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच कर लावारिश बच्चे को सकुशल थाना स्थानीय पर लाया गया तथा बच्चे के परिजनों को जानकारी देने हेतु सोशल मीडिया व स्थानीय लोगो के पास फोटो प्रसारित की गई। जिससे मात्र आधे घंटे के भीतर बच्चें के परिजनों का पता लगाकर बच्चे को सकुशल परिजनों को सुपुर्द किया गया। गुमशुदा को सकुशल पाकर उनके परिजनों द्वारा पुलिस की कार्यवाही पर आभार व्यक्त किया।

मिशन शक्ति अभियान : नारी सम्मान फेज-5.0 के तहत महिलाओं/बालिकाओं को किया जा रहा है जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद में महिला बीट आरक्षी/एंटी रोमियों पुलिस टीम सहित पुलिस अधिकारीगण के माध्यम से क्षेत्र में भ्रमण कर प्रमुख चौराहों, कस्बों, बाजारों, मन्दिर, शापिंग मॉल, भीड़भाड़ वाले इलाकों, स्कूलों/कॉलेजों/कोचिंग संस्थानों, रेलवे स्टेशन, रोडवेज सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों व गांवों में जाकर बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं जैसे- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी0एम0स्वानिधि योजना, पी0एम0सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना, महिला ई-हाट योजना तथा बाल विवाह, पाक्सो एक्ट, एवं महिला उत्पीड़न की रोकथाम संबंधी अधिकारों एवं ऑपरेशन मुक्ति के अंतर्गत बाल विवाह एवं बालश्रम तथा महिला उत्पीड़न के संबंध में पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक किया जा रहा है तथा छोटे-छोटे बच्चों को गुडटच-बैडटच के बारें में बताया गया और किसी भी समस्या के बारे में अपने अभिभावकों या पुलिस को अवश्य अवगत कराने के सुझाव दिये गये । सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेट्फार्मों के सुरक्षित उपयोग एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से बरते जाने वाले विभिन्न एहतियात के बारें में, साइबर अपराधों एवं डिजिटल अरेस्ट के बारें में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर फ्रॉड की घटना घटित होने पर तत्काल 1930 पर कॉल करने व उसके द्वारा बताए गए निर्देशों का पालन करें। अपनी जन्मतिथि, नाम, मोबाइल नंबर, आदि का इस्तेमाल कभी भी पासवर्ड बनाने में ना करें, एक ही पासवर्ड का प्रयोग विभिन्न सेवाओं वेबसाइट और ऐप में ना करें, अनजान व्यक्तियों से प्राप्त वीडियो कॉल को रिसीव ना करें, अपने निजी और बैंकिंग डिटेल्स को किसी के साथ फोन या ईमेल पर एसएमएस के जरिए शेयर ना करें, फ्री वाई-फाई का इस्तेमाल करने से बचें तथा शॉपिंग और बैंकिंग के लिए इसका इस्तेमाल कदापि न करें। साइबर सुरक्षा हेल्पलाइन नम्बर-1930 सहित विभिन्न उपयोगी हेल्पलाइन नंबरों यथा- 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइ?, 102-स्वास्थ्य सेवा आदि के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया ।

पत्नी की हत्या के आरोपी पति को गोपीगंज पुलिस ने 24 घंटे में दबोचा

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में गोपीगंज पुलिस ने पत्नी की हत्या के मामले में आरोपी पति गोपाल कौशल को मात्र 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया।

सोमवार को पूरेगुलाबपुर वार्ड-12 में 34 वर्षीय महिला की संदिग्ध मृत्यु पर उसके मायके पक्ष ने पति पर मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। मामले में थाना गोपीगंज पर मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू की गई।

मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी को गोपीगंज बस स्टैंड से पकड़ लिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक राजेंद्र प्रसाद, हेड कांस्टेबल वीरेंद्र भारती व चंवर राम विलाश यादव शामिल रहे। आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय भेज दिया गया।

डीईओ ने की एसआईआर कार्यों की समीक्षा मतदाता सूची में की नाम जोड़ने की अपील

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार ने जिला निर्वाचन कार्यालय में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की प्रगति की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा बढ़ाई गई समय सीमा का लाभ उठाते हुए सभी पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएं।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डीईओ शैलेष कुमार ने सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, सहायक अधिकारियों, सेक्टर मजिस्ट्रेटों और नगरीय निकायों के अधिशासी अधिकारियों को एसआईआर के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बीएलओ को प्रोत्साहित कर गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित कराया जाए तथा आयोग के निर्देशों का पूर्ण पालन हो।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने क्षेत्रों में नियमित मॉनिटरिंग करें और जिला संपर्क केंद्र में आने वाली कॉल व शिकायतों का त्वरित समाधान कराएं। शहरी क्षेत्रों में हेल्पडेस्क और विशेष कैंपों के माध्यम से मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने में सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

डीईओ शैलेष कुमार ने कहा कि मतदाता सूची का सटीक और त्रुटिरहित होना लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बुनियाद है। उन्होंने निर्वाचन कार्य में लगे सभी कार्मिकों की सराहना करते हुए कहा कि उनका परिश्रम यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक पात्र मतदाता अपने अधिकार से वंचित न रहे।

समीक्षा में बताया गया कि जनपद में अब तक 9 लाख से अधिक गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन हो चुका है। कम प्रगति वाले बूथों पर बीएलओ की विशेष मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए। 'बुक ए कॉल विद बीएलओ' ऐप पर लंबित मामलों के 48 घंटे में निस्तारण के भी निर्देश दिए गए।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य ने बताया कि सभी मतदाता 11 दिसंबर तक सही विवरण के साथ अपना गणना प्रपत्र बीएलओ को उपलब्ध करा दें, ताकि 16 दिसंबर को होने वाले मतदाता सूची के आलेख्य प्रकाशन में कोई भी मतदाता न छूटे।

विद्युत कर्मियों ने लगाया विशेष ओटीएस कैम्प, 110 लोगों को मिला लाभ

भदोही। टाउन फीडर और धवरहरा फीडर क्षेत्र में विद्युत विभाग ने कई स्थानों पर विशेष ओटीएस कैम्प आयोजित किया, जिसमें लगभग 110 लोगों ने इसका लाभ उठाया। उपखण्ड अधिकारी एसपी पटेल ने बताया कि कैम्प के माध्यम से बिजली उपभोक्ताओं को उनके बिल और जुर्माने का तत्काल समाधान प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि विद्युत विभाग की यह पहल उपभोक्ताओं के लिए काफी मददगार साबित हुई है और इससे लंबित बिल निपटाने में सुविधा मिली।

विद्युत कर्मियों ने मौके पर तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया, ताकि हर नागरिक आसानी से ओटीएस का लाभ ले सके। उपभोक्ताओं ने इस पहल की सराहना की और कहा कि इससे समय और मेहनत दोनों की बचत हुई। इस तरह के विशेष कैम्प से न केवल बिजली विभाग की सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ती है, बल्कि उपभोक्ताओं का विश्वास भी मजबूत होता है।

भोरी गांव में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य समापन

संतोष जी महाराज की वाणी से भावविभोर हुए श्रद्धालु

मंत्र भारत संवाददाता

सुरियांवां। क्षेत्र के भोरी गांव में चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आज अंतिम दिन बड़े ही आध्यात्मिक और भावपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कथा वाचक संतोष जी महाराज ने समापन दिवस पर सुदामा चरित्र, भगवान दत्तात्रेय की कथा तथा परीक्षित मोक्ष जैसे दिव्य प्रसंगों का रसपान कराकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कथा के दौरान संतोष जी महाराज ने सुदामा और भगवान श्रीकृष्ण की अनन्य मित्रता का मार्मिक वर्णन किया, जिससे पूरा पांडाल भावुक हो उठा। उन्होंने कहा कि सुदामा चरित्र हमें सच्ची मित्रता, समर्पण और निस्वार्थ भाव का संदेश देता है।

इसके बाद महाराज ने भगवान दत्तात्रेय के ज्ञान मार्ग, जीवन आदर्श और 24 गुरुओं की शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने समझाया कि प्रकृति की हर वस्तु मनुष्य को जीवन जीने की प्रेरणा देती है और यही दत्तात्रेय परंपरा का मूल सार है।

समापन दिवस का सबसे प्रभावशाली प्रसंग रहा परीक्षित मोक्ष, जिसमें महाराज ने राजा परीक्षित की ज्ञान, भक्ति और मृत्यु के दर्शन से जुड़े संदेशों को विस्तार से बताया। कथा के दौरान वातावरण हरे कृष्ण–हरे राम के जयकारों से गूंजता रहा।

अंत में भक्तों ने महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया और कथा पूर्ण होने पर प्रसाद वितरण किया गया। सात दिनों तक चले इस आध्यात्मिक आयोजन में क्षेत्रभर से हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही, जिसने भोरी गांव को सात दिनों तक भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

पोर्टल पर वक्फ संपत्ति विवरण अपलोड करने की तिथि 5 दिसंबर तक

भदोही। सर्वे कमिश्नर वक्फ उत्तर प्रदेश लखनऊ के पत्र संख्या 2236 दिनांक 24 अक्टूबर 2025 में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में जनपद के समस्त मुतवल्लियों को वक्फ संपत्तियों का विवरण उम्मीद पोर्टल पर शीघ्र अपलोड करने के लिए पुनः निर्देशित किया गया है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी रमेश चन्द ने बताया कि पोर्टल पर मेकर, चेकर, अप्रूवर स्तर से जुड़ी सभी कार्यवाहियां 5 दिसंबर 2025 तक हर हाल में पूरी कर ली जानी आवश्यक हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया हेतु समय-सीमा किसी भी स्थिति में आगे नहीं बढ़ाई जाएगी।

पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी को गिरफ्तार कर जेल भेजा

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत, प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, रोहिणी यादव क्षेत्राधिकारी बांसी के कुशल पर्वेक्षण में अरविंद कुमार मौर्य प्रभारी निरीक्षक शिवनगर डिडई के कुशल नेतृत्व में थाना शिवनगर डिडई पुलिस द्वारा वाद संख्या/मु0नं0 724/92 धारा 323, 324, 504 भादवि0 से संबन्धित वारण्टी हरिवंश पुत्र रघु धोबी निवासी निसहर को उप निरीक्षक उदय सिंह व उ0नि0 मृत्युंजय मिश्रा ने गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही पूर्ण कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

अवैध शराब निर्माण पर प्रशासन ने की छापेमारी

कच्ची शराब किया बरामद महुआ लहन को किया नष्ट

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में सरकार की मंशा के अनुरूप उत्तर प्रदेश शासन एवं आबकारी आयुक्त द्वारा अवैध कच्ची शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में उप आबकारी आयुक्त बस्ती प्रभार बस्ती के नेतृत्व में सिद्धार्थनगर में व्यापक कार्यवाही की गई ।आबकारी व पुलिस की संयुक्त टीम ने मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के ग्राम ओदनवाताल, सोनौली नानकर तथा शोरतगढ़ क्षेत्रांतर्गत बरगदवा खुर्द एवं रामनगर क्षेत्र में नदी के किनारे स्थित झाड़ियों तथा गांव में व्यापक दबिश दी गई ।अभियान के दौरान टीम ने मौके से लगभग 75 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की जबकि लगभग 500 किलोग्राम महुआ लहन नष्ट किया गया । उप आबकारी आयुक्त बस्ती प्रभार बस्ती एस पी पांडे के साथ जिला आबकारी अधिकारी वीर अभिमन्यु कुमार , सहायक आबकारी आयुक्त प्रवर्तन दो के पी चौधरी के नेतृत्व में मिश्रौलिया थाने की टीम के साथ अवैध कच्ची शराब के विरुद्ध छापे की कार्रवाई की गई।टीम ने मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के ग्राम ओदनवाताल , सोनौली नानकार में राप्ती नदी के किनारे तथा गांव के बीच स्थित झाड़ियां में व्यापक दबिश दी गई ।अभियान के दौरान टीम को मौके से 75 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई तथा तलाशी के दौरान लगभग 500 किलोग्राम महुआ लहन बरामद हुआ। टीम द्वारा महुआ लहन को नष्ट कर दिया गया। कार्यवाही के दौरान आबकारी अधिनियम के अंतर्गत तीन अभियोग पंजीकृत किए गए। इस अभियान का नेतृत्व उप आबकारी आयुक्त बस्ती प्रभार बस्ती एस पी पांडे ने किया। इस छापेमारी अभियान के दौरान आबकारी निरीक्षक अवनीश कुमार पांडे क्षेत्र एक नौगढ़ , संजय कुमार पांडे क्षेत्र दो बासी, अमरेंद्र कुमार सिंह क्षेत्र 3 शोहरतगढ़ , ऋतिक वर्मा क्षेत्र 4 इटवा तथा प्रवर्तन निरीक्षक गफ्फार खान की टीम मय स्टाफ शामिल रही । थाना मिश्रौलिया थानाध्यक्ष बृजेश कुमार सिंह मय स्टाफ संयुक्त दबिश में मौजूद रहे । अधिकारियों ने बताया कि अवैध शराब के विरुद्ध इसी प्रकार की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी किसी भी दशा में अवैध शराब के निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नटवा गांव में मजदूर ने आम के पेड़ पर फांसी लगाकर की आत्महत्या

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। औराई कोतवाली क्षेत्र के नटवा ग्राम सभा में एक 20 वर्षीय युवक उमाशंकर राम विलास (दूरियां, थाना फरीदाबाद, बरेली) ने सोमवार की रात आम के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक कुछ दिन से जल जीवन मिशन के तहत चल रहे पानी की टंकी निर्माण कार्य में मजदूरी कर रहा था।

जानकारी के अनुसार, युवक रात 8 बजे ठेकेदार से अपनी पूरी मजदूरी मांग रहा था। मजदूरों के अनुसार, पैसे को लेकर कुछ विवाद हुआ था। उमाशंकर ने कहा कि उसे घर जाना है क्योंकि परिवार में कोई बीमार है। इसके बाद वह वहां से कुछ दूरी पर स्थित बगीचे में गया और रुमाल व पैंट का फंदा बनाकर आम के पेड़ पर फांसी लगा ली।

कोतवाल मनोज कुमार ने बताया कि मौके पर फोरेंसिक टीम भी पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस भेज दिया गया है। परिवार को सूचना दे दी गई है और उनके आने के बाद पंचनामा कर शव सुपुर्द किया जाएगा।मृतक के परिवार और ग्रामीणों में इस घटना को लेकर गहरा शोक व्याप्त है।

जिलाधिकारी ने मतदाता पुनरीक्षण कार्य का किया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान-2025 के अंतर्गत तहसील नौगढ़ एवं तहसील शोहरतगढ़ के मतदाता पुनरीक्षण कार्य का जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा निरीक्षण किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने बताया है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के अन्तर्गत घर-घर गणना की अवधि को दिनांक 11.12.2025 तक बढ़ा दिया गया है। मतदाता सूची का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान-2025 के अन्तर्गत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा को बांटे गये गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) एवं जमां किये गये प्रपत्र के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को निर्देश दिया कि लेखपाल द्वारा अपने क्षेत्र के बीएलओ से समन्वय स्थापित करते हुये सभी मतदाताओं को घर घर जाकर गणना प्रपत्र प्राप्त करा दें तथा मतदाताओं द्वारा गणना प्रपत्र भरने के बाद उसको बीएलओ, रोजगार सेवक, ग्राम प्रधानों के माध्यम से प्राप्त कर लें। गणना प्रपत्र की फीडिंग में प्रगति लायें।जिन बी एल ओ द्वारा 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है, दूसरे का सहयोग कर कार्य पूर्ण कराये।तहसील शोहरतगढ़ में शत-प्रतिशत डिजिटलाइजेशन का कार्य पूर्ण करने वाले बीएलओ सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) ज्ञान प्रकाश, उपजिलाधिकारी नौगढ़ कल्याण सिंह मौर्य, उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ विवेकानन्द मिश्र, तहसीलदार एवं अन्य सम्बन्धित उपस्थित थे।

संचार साथी ऐप का रविशंकर प्रसाद ने किया बचाव : सुरक्षा कवच है, विपक्ष बेवजह मचा रहा हंगामा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने मंगलवार को दूरसंचार विभाग द्वारा मोबाइल हैंडसेट में संचार साथी ऐप पहले से इंस्टॉल करने के निर्देश का बचाव करते हुए इसे 'सुरक्षा कवच' बताया। उन्होंने निराधार विवाद पैदा करने के लिए विपक्ष की आलोचना की और आरोप लगाया कि वे एक लाभकारी पहल को कमज़ोर करने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि हर मोबाइल में कई ऐप होते हैं, लेकिन अगर कोई एक ऐप 'सुरक्षा कवच' की तरह काम करता है, तो आपको क्या दिक्कत है? ...इस पर एक निराधार विवाद खड़ा किया जा रहा है।

प्रसाद ने विपक्ष के इस रुख को बिहार में उनकी हालिया हार से जोड़ते हुए दावा किया कि मतदाताओं ने चुनावी मुद्दों पर कोई शिकायत नहीं की। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर भी निशाना साधा और कहा कि ऐसे विपक्ष के साथ उन्हें चुनाव जीतने में मुश्किल होगी।

उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष ने संसद के पिछले सत्र में भी एसआईआर का मुद्दा उठाया था। बिहार में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। करोड़ों मतदाताओं में से एक भी व्यक्ति ने यह शिकायत नहीं की कि उन्हें वोट देने नहीं दिया गया...कांग्रेस पार्टी इस तरह कभी नहीं जीतेगी।

इस बीच, दूरसंचार विभाग ने निर्देश जारी किए हैं कि निर्माता और आयातक भारत में बेचे जाने वाले उपकरणों पर संचार साथी ऐप पहले से इंस्टॉल करें ताकि उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाई जा सके और नकली या छेड़छाड़ किए गए आईएमईआई के प्रचलन पर अंकुश लगाया जा सके। पहले से निर्मित और बिक्री चैनलों में उपलब्ध उपकरणों के लिए, निर्माताओं और आयातकों को सॉफ़्टवेयर अपडेट के माध्यम से इस एप्लिकेशन को आगे बढ़ाने के लिए कहा गया है।

मंत्रालय के अनुसार, 28 नवंबर को जारी निर्देशों का उद्देश्य नागरिकों को नकली मोबाइल उपकरण खरीदने से बचाना, दूरसंचार संसाधनों के संदिग्ध दुरुपयोग की आसान रिपोर्टिंग सुनिश्चित करना और संचार साथी पहल की समग्र प्रभावशीलता को बढ़ाना है। दूरसंचार साइबर सुरक्षा (टीसीएस) नियम केंद्र सरकार को अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचान (आईएमईआई) नंबर वाले दूरसंचार उपकरणों के निर्माताओं को छेड़छाड़ किए गए दूरसंचार उपकरणों या आईएमईआई नंबरों के संबंध में आवश्यकतानुसार सहायता प्रदान करने के निर्देश जारी करने का अधिकार देता है।

एक और बीएलओ की मौत, पत्नी ने कहा- 'अधिकारियों के फोन आते थे, काम का बहुत दबाव था'

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के हाथरस जिले में एक बड़ा हादसा हो गया। यहां सिकंद्राराऊ क्षेत्र के गांव नावली लालपुर में रहने वाले 40 वर्षीय कमलकांत शर्मा, जो प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक थे और साथ ही बीएलओ (बीएलओ) का काम भी देख रहे थे, की अचानक हार्ट अटैक से मौत हो गई। उनकी मौत की खबर मिलते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया और मौके पर जिलाधिकारी अतुल वत्स, एसपी चिरंजीवी नाथ सिन्हा सहित कई अधिकारी पहुंच गए।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार सुबह कमलकांत शर्मा घर पर ही अचानक चक्कर खाकर गिर पड़े। परिवार के लोग उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें अलीगढ़ रेफर कर दिया। लेकिन, अलीगढ़ ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। मृतक की पत्नी नीलम शर्मा ने बताया कि कमलकांत पर काम का बहुत दबाव था। अधिकारियों के लगातार फोन आते रहते थे। उन्होंने कई बार पति से कहा भी कि इतना तनाव न लें, लेकिन हालात वैसे ही रहे। सुबह घर की सीढ़ियों से उतरते समय उन्हें चक्कर आया और वे गिर पड़े। घटना की जानकारी मिलते ही सिकंद्राराऊ के एसडीएम और सीओ मौके पर पहुंचे और मामले की रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी। इसके बाद डीएम और एसपी भी कमलकांत के घर पहुंचे और परिजनों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को बड़ी राहत सरकार ने साफ किया 'ड्यूटी' मानने का नियम

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश सरकार ने राज्य के अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को बड़ी राहत देते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अब वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं, ट्रेनिंग कैंपों और संबंधित गतिविधियों में शामिल होने की पूरी अवधि, आवागमन के समय सहित 'ड्यूटी' मानी जाएगी। मंत्रिमंडल के इस फैसले से खिलाड़ियों को अनुमति लेने में होने वाली मुश्किलें खत्म होंगी।

कैबिनेट की बैठक के बाद वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अब तक 'अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली-2022' में ऐसी कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं थी। सेवा नियमावली में अवकाश संबंधी प्रावधान न होने के कारण खिलाड़ियों को प्रतियोगिताओं और प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेने के लिए अनुमति प्रक्रिया में दिक्कतें आती थीं। उन्होंने कहा कि अब सरकार नई प्रणाली लागू कर रही है, जिसमें साफ व्यवस्था होगी कि नियुक्त खिलाड़ी जब भी किसी राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता, कैंप या प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लें, वह अवधि सेवा अवधि (ड्यूटी) मानी जाएगी। इसमें आने-जाने का पूरा समय भी शामिल होगा। इससे न केवल खिलाड़ियों को अपने खेल करियर में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा, बल्कि राज्य का प्रतिनिधित्व भी और मजबूत होगा, क्योंकि अब उन्हें अनुमति लेने में कोई बाधा नहीं आएगी।

मंत्रिमंडल ने वाराणसी में निर्माणाधीन डॉ. सम्पूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम, सिगरा के संचालन, प्रबंधन और रखरखाव तथा राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए 'भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के साथ हुए एमओयू को मंजूरी दे दी है। यह वही स्टेडियम है, जहां 'खेलो इंडिया' योजना के तहत आधुनिक स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया गया है। एमओयू के तहत स्टेडियम परिसर में मौजूद खेल सुविधाओं; जैसे, भवन, ढांचे, मैदान और अन्य अवसंरचनाओं को साई को सौंपा जाएगा, ताकि यहां नेशनल सेंटर ऑद्घफ एक्सीलेंस की स्थापना और संचालन सुचारु रूप से हो सके।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बनने के बाद प्रदेश के उभरते खिलाड़ियों को बड़ा मंच मिलेगा। विभिन्न आयु वर्गों और खेल विधाओं के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान की जाएगी और उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। इससे न सिर्फ उत्तर प्रदेश की खेल प्रतिभा को मजबूत प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व भी और सशक्त होगा। सरकार का मानना है कि इस पहल से खिलाड़ियों के सामने भविष्य में रोजगार और खेल करियर दोनों की संभावनाएं बढ़ेंगी, साथ ही वाराणसी देश के प्रमुख खेल केंद्रों में से एक के रूप में उभरकर सामने आएगा।

प्रदेश में शीतलहर का अलर्ट, आने वाले दिनों में तेजी से गिरेगा पारा; कई जिलों में अलर्ट जारी

लखनऊ **(एजेंसी)**। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने इस बार प्रदेश में पिछले वर्षों की अपेक्षा ज्यादा ठंड पड़ने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, वर्ष 2025 के नवंबर माह में उत्तर प्रदेश का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया, जबकि औसत अधिकतम तापमान भी सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज रहा है। विभाग ने आने वाले दिनों में शीतलहर और कड़ाके की ठंड का अलर्ट जारी किया है।

वर्तमान में भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में सक्रिय ला-नीना परिस्थितियाँ क्रमशः कमजोर हो रही हैं, जबकि हिंद महासागर में नकारात्मक भारतीय महासागरीय द्विध्रुव (इंडियन ओसेन डिपोल) के तटस्थ स्थिति की ओर जाने की संभावना है। इन दोनों जलवायु प्रणालियों के संयुक्त प्रभाव से आगामी दिसंबर-जनवरी-फरवरी के दौरान प्रदेश में ठंडक का असर सामान्य से अधिक रहने की संभावना व्यक्त की गई है।

मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ एके सिंह के अनुसार, शीत ऋतु में विशेषकर दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 तक उत्तर प्रदेश के अधिकांश इलाकों में औसत तापमान सामान्य से कम रह सकता है। केवल पूर्वांचल के दक्षिणी भाग (सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, भदोही, बलिया) को छोड़कर, प्रदेश के बड़े क्षेत्रों में शीतलहर के दिनों की संख्या सामान्य से 2-5 दिन अधिक रहने का अनुमान है। विशेषज्ञों के अनुसार, ला-नीना और आईओडी की मिलीजुली जलवायु परिस्थितियाँ उत्तर भारत में ठंड की तीव्रता बढ़ाने का महत्वपूर्ण कारक होती हैं। शीतलहर बढ़ने से जनजीवन और कृषि गतिविधियों पर प्रभाव पड़ सकता है। विभाग ने नागरिकों को सावधानी बरतने और समय रहते आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित करने की सलाह दी है।

मंत्री का जीभ काटने पर 5.51 लाख का इनाम, बलिया को लेकर विवादित बयान पर करणी सेना का ऐलान

बलिया **(एजेंसी)**। निषाद पार्टी के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के बलिया जिले को लेकर दिये गये बयान पर उठे विवाद के बीच करणी सेना के जिला अध्यक्ष ने निषाद की जीभ 'काटकर लाने' वाले को पांच लाख 51 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की है। कांग्रेस ने भी बांसडीह थाने में मंत्री के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग करते हुए शिकायत दी है। यह विवाद शनिवार को बांसडीह में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक में निषाद के भाषण का एक वीडियो वायरल होने के बाद शुरू हुआ।

वीडियो में मंत्री को यह कहते हुए सुना जा सकता है, ''यहां के कई लोग अंग्रेजों के दलाल थे। दलाली की प्रथा चलती रही और यह अब भी जारी है। इसीलिए बलिया अभी भी बर्बाद है। नहीं तो बलिया बागी बलिया था। अंग्रेजों को मारकर भगाया था। देश को आजाद कराया था।'' इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और मंत्री निषाद विपक्षी दलों के साथ ही बलिया के लोगों के भी निशाने पर आ गये।

करणी सेना के जिलाध्यक्ष कमलेश सिंह ने मंगलवार को संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि मंत्री संजय निषाद की जीभ काटकर लाने वाले को वह पांच लाख 51 हजार रुपये का इनाम देंगे। कमलेश सिंह ने कहा, '' बलिया के बारे में उनकी टिप्पणी उनकी बीमार मानसिकता को दर्शाती है। बलिया के मंगल पांडे ने क्रांति का बिगुल बजाया था। जो कोई उनकी (निषाद की) जीभ काटकर लाएगा, उसे मैं 5, 51, 000 रुपये का इनाम दूंगा। इस बीच, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को बलिया में प्रतीकात्मक रूप से मंत्री की अंतिम संस्कार की यात्रा निकाली। कांग्रेस जिलाध्यक्ष उमाशंकर पाठक ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, ''हमने कल बलिया शहर में मंत्री जी का पुतला दहन किया था। उनके बयान के 72 घंटे बाद भी कोई कार्रवाई न होने पर अब मैंने बांसडीह कोतवाली में तहरीर देकर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। '' इस घटनाक्रम पर मंत्री या निषाद पार्टी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

भाजपा नेता के फ्लैट से सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, 9 लड़की और 4 लड़के पकड़े गए

वाराणसी **(एजेंसी)**। पुलिस ने मंगलवार देर रात दो अलग-अलग स्थानों एक स्पा सेंटर और एक निजी फ्लैट पर संयुक्त छापेमारी कर कथित सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 9 लड़कियों और 4 लड़कों को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार दोनों जगहों पर अवैध गतिविधियों की शिकायत मिलने के बाद यह ऑपरेशन चलाया गया।

छापे के बाद जिस फ्लैट का मकान मालिकाना हक़ एक महिला शालिनी यादव के नाम बताया जा रहा है, उसका राजनीतिक इतिहास सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है। शालिनी यादव ने पूर्व में 2017 में कांग्रेस से मेयर चुनाव, और 2019 में सपा से लोकसभा चुनाव लड़ा था, जिसमें वह दूसरे स्थान पर रही थीं।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि छापेमारी फिलहाल अवैध गतिविधियों का पता लगाने और जुड़े लोगों की भूमिका की जांच के लिए की गई है। फ्लैट या उसके मालिकों की जिम्मेदारी और भूमिका की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही की जाएगी।

देवर भाभी संग कर रहा था रोमांस पहुंच गया भाई अवैध संबंध छिपाने के लिए रची खौफनाक साजिश

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला उजागर हुआ है। यहां छोटे भाई ने भाभी से चलते अवैध संबंधों को छिपाने के लिए अपने ही बड़े भाई की हत्या कर दी और पुलिस को गुमराह करने के लिए पूरा घटनाक्रम आत्महत्या जैसा दिखा दिया। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने सच्चाई से पर्दा उठा दिया। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। 29 नवंबर को कृष्णा शाह नामक युवक खुटार चौकी पहुंचा और पुलिस को बताया कि उसके बड़े भाई संजीव शाह ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और प्रारंभिक तौर पर मामला आत्महत्या का ही माना गया।

हालांकि, जब पीएम रिपोर्ट सामने आई तो चिकित्सकों ने स्पष्ट कर दिया कि मौत फांसी से नहीं, बल्कि गला घोंटे जाने से हुई है। इसके बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया और जांच सीएसपी मुख्यालय को सौंप दी गई।

जांच के दौरान कृष्णा शाह लगातार पुलिस को भ्रमित करने की कोशिश करता रहा। लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर आखिरकार उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपी ने कबूल किया कि वह शराब का आदी था और अपनी भाभी के साथ लंबे समय से अवैध संबंधों में था। कई बार बड़ा भाई संजीव उन्हें रंगे हाथ पकड़ चुका था, जिससे आरोपी स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगा।

इसी डर से उसने भाई को रास्ते से हटाने की योजना बनाई और हत्या को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की। डॉक्टर की रिपोर्ट और पुलिस की गहराई से की गई जांच ने पूरा राज खोल दिया। अंततः आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

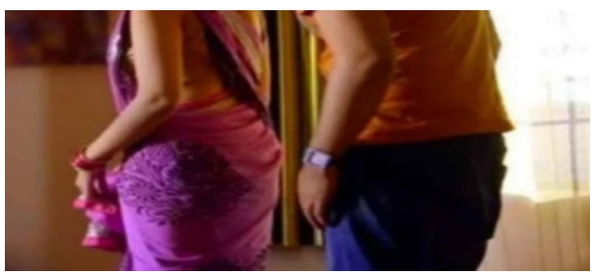

संसद के हंगामे पर कंगना रनौत का तीखा वार

चुनाव हारने पर और हताश हो रहा विपक्ष, जनता सब देख रही

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अभिनेत्री-राजनेता कंगना रनौत ने विपक्ष की आलोचना करते हुए उन पर जानबूझकर बाधा डालने और लगातार चुनावी झटकों के बाद बढ़ती हताशा का आरोप लगाया है। सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन बार-बार व्यवधान देखा गया। विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि वे जितना अधिक हारते हैं, उतना ही अधिक निराश होते हैं। कांग्रेस और बाकी दल हताशा की स्थिति में पहुँच गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि व्यवधानों के कारण आज के लिए निर्धारित महत्वपूर्ण कार्य नहीं हो सके।

संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कंगना ने आगे कहा कि आज के लिए निर्धारित सभी महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा नहीं हो सकी। संसद नहीं चल सकी। इसे दो घंटे के लिए स्थगित कर दिया गया।' रानौत ने आगे कहा कि इस तरह का आचरण जनता के सामने विपक्ष की विश्वसनीयता को नुकसान पहुँचा रहा है। उन्होंने कहा, 'पूरा देश देख रहा है, और वे (विपक्ष) जनता की नज़रों में खुद को गिरा रहे हैं और चुनाव दर चुनाव हार रहे हैं।'

वहीं, आज संसद के शीतकालीन सत्र का दूसरा दिन है, जहां सरकार कुछ महत्वपूर्ण विधेयकों को पेश करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है। हालांकि, दोनों सदनों में एसआईआर को लेकर विपक्ष का हंगामा जारी है। एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सांसदों की नारेबाजी के बाद राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा की कार्यवाही भी दोपहर 2:00 बजे स्थगित हो गई है। संसद के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन की तैयारियों के बीच कांग्रेस और अन्य विपक्षी सांसदों ने मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

लोकसभा में सुबह 11 बजे जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार के खिलाफ 'वोट चोर, गद्दी छोड़ो' का नारा लगाना जारी रखा और मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा की मांग की। सदस्यों से मर्यादा बनाए रखने का आह्वान करते हुए, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि विपक्ष की गतिविधियों पर पूरा देश नज़र रख रहा है। अध्यक्ष बिरला ने कहा कि सदस्यों, मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि प्रश्नकाल महत्वपूर्ण है, कृपया इसे चलने दें। मैं देख रहा हूँ कि आप सदन के अंदर और बाहर जिस तरह से विरोध कर रहे हैं, वह संसद या देश के हित में नहीं है।

सरदार पटेल के आदर्शों पर भाजपा

जेल में 30 दिन से ज्यादा रहे मंत्री देंगे इस्तीफा, राजनाथ सिंह का वादा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर उनकी विरासत को पुनर्जीवित करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया और पटेल के भ्रष्टाचार विरोधी दृष्टिकोण के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। सरदार सभा में बोलते हुए, रक्षा मंत्री ने पार्टी द्वारा 130वें संविधान संशोधन को लागू करने के कदम का हवाला दिया, जिसके तहत 30 दिनों से अधिक समय तक जेल में रहने पर मंत्रियों को इस्तीफा देना होगा।

सभा को संबोधित करते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल भ्रष्टाचार को लेकर बहुत सख्त थे। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि किसी भी मंत्री के खिलाफ, चाहे वह किसी भी पद पर क्यों न हो, किसी भी शिकायत की जाँच होनी चाहिए। अगर आरोप सही पाए जाते हैं, तो मंत्री को तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। सरदार वल्लभभाई पटेल की इस इच्छा का स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार भाजपा ने सम्मान किया है... हमने संविधान के 130वें संशोधन विधेयक को संसद में पारित कराने का भी निर्णय लिया है। अगर कोई पदधारी व्यक्ति 30 दिन से ज़्यादा जेल में रहता है, तो उसे अपने पद से इस्तीफा देना होगा। हम इस कानून को भारत की संसद में पारित कराने का प्रयास कर रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि हम यहाँ सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मनाने आए हैं... कुछ राजनीतिक ताकतें थीं जो चाहती थीं कि सरदार वल्लभभाई पटेल इतिहास के पन्नों में गुम हो जाएँ। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें इतिहास के पन्नों में एक चमकते सितारे के रूप में फिर से स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई है।

इस बीच, 20 अगस्त को लोकसभा में पेश किया गया संविधान (एक सौ तीसवाँ संशोधन) विधेयक, 2025, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने का एक ढाँचा प्रस्तावित करता है, यदि वे पाँच वर्ष या उससे अधिक के कारावास से दंडनीय गंभीर आपराधिक आरोपों में लगातार 30 दिनों से अधिक समय तक जेल में रहते हैं।

चल रही सरदार 150 पदयात्रा ने कुल मिलाकर 72 किलोमीटर की दूरी तय की है, जो पटेल के राष्ट्रीय एकता और नागरिक उत्तरदायित्व के संदेश का प्रचार करती है। यह पदयात्रा उनके आदर्शों के प्रति एक जीवंत श्रद्धांजलि के रूप में कार्य करती है, समुदायों को अनुशासन, एकता और समर्पित सेवा अपनाने के लिए प्रेरित करती है और साथ ही देश भर में सहभागी नागरिकता को मज़बूत करती है।

आज कुत्ता ही मेन टॉपिक : संसद में कुत्ता लाए जाने पर हुए विवाद के बीच बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सोमवार को संसद भवन में उस समय विवाद उत्पन्न हो गया जब कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी कुछ देर के लिए एक पिल्ला लेकर संसद भवन परिसर में आईं। इस पर विभिन्न दलों की प्रतिक्रियाएं सामने आईं और ऑनलाइन बहस शुरू हो गई। आज लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद भवन के बाहर पत्रकारों से खुलकर बातचीत करते हुए कांग्रेस सांसद द्वारा कुत्ता लाए जाने पर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया दी।

राहुल गांधी ने कहा कि आजकल भारत शायद इन्हीं मुद्दों पर चर्चा कर रहा है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि आज कुत्ता ही मुख्य विषय है। उन्होंने कहा कि बेचारे कुत्ते ने क्या किया? क्या यहाँ कुत्तों का आना मना है? अंदर तो है...शायद पालतू जानवरों का आना मना है...मुझे लगता है कि आजकल भारत इन्हीं मुद्दों पर चर्चा कर रहा है। चौधरी ने पहले ही परिस्थितियों को स्पष्ट करते हुए कहा था कि वह जानबूझकर संसद में कोई पालतू जानवर नहीं लाई थीं। दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बताया कि उन्होंने कुछ ही देर पहले एक स्कूटर और कार की टक्कर देखने के बाद पिल्ले को बचाया था।

एएनआई के अनुसार, उन्होंने कहा, 'क्या कोई क़ानून है? मैं रास्ते में थी। एक स्कूटर एक कार से टकरा गया। एक छोटा सा पिल्ला सड़क पर घूम रहा था। मुझे लगा कि उसे टक्कर लग जाएगी। इसलिए मैंने उसे उठाया, कार में रखा, संसद आई और वापस भेज दिया। कार चली गई, और कुत्ता भी। तो इस बहस का क्या मतलब है?' उन्होंने सवाल उठाया कि करुणा का एक क्षण राष्ट्रीय चर्चा का विषय क्यों बन गया, और तर्क दिया कि ज़्यादा ज़रूरी मुद्दों पर ध्यान देने की ज़रूरत है। उन्होंने आगे कहा, 'असली काटने वाले संसद में बैठे हैं। वे सरकार चलाते हैं। हम एक मूक जानवर की देखभाल करते हैं, और यह एक बड़ा मुद्दा और चर्चा का विषय बन गया है। क्या सरकार के पास और कुछ करने को नहीं है? मैंने कुत्ते को घर भेज दिया और कहा कि उसे घर पर ही रखें... हम उन लोगों के बारे में बात नहीं करते जो संसद में बैठकर हमें रोज़ काटते हैं।'

वित्त मंत्री सीतारमण का बड़ा कदम, कई देशों के मंत्रियों से कर पारदर्शिता पर हुई अहम बैठक

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में अंडोरा, मोंटेनेग्रो, हंगरी, कुवैत, केमैन द्वीप, स्लोवाक गणराज्य, पनामा और ज़िम्बाब्वे के वरिष्ठ वित्त एवं आर्थिक मंत्रियों से मुलाकात की और कर पारदर्शिता और वित्तीय सूचनाओं के आदान-प्रदान में मज़बूत वैश्विक सहयोग के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। मंत्रालय ने एक्स पर बताया कि केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री सीतारमण ने आज अंडोरा, मोंटेनेग्रो, हंगरी, कुवैत, केमैन द्वीप, स्लोवाक गणराज्य, पनामा और ज़िम्बाब्वे के वरिष्ठ वित्त एवं आर्थिक मंत्रियों से मुलाकात की। वित्त मंत्रालय के अनुसार, यह बैठक वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी की उपस्थिति में 2 से 5 दिसंबर, 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित हो रहे 18वें ग्लोबल फोरम फ्लेनरी और संबद्ध बैठकों के अवसर पर हुई। यह बैठक कर उद्देश्यों के लिए पारदर्शिता और सूचना के आदान-प्रदान पर ओईसीडी ग्लोबल फोरम के 18वें फ्लेनरी के मेजबान के रूप में भारत की भूमिका को चिह्नित करती है। मंत्रालय ने 17 दिसंबर को कहा कि चर्चा अपतटीय कर चोरी को रोकने और देशों के बीच निष्पक्ष कर प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित थी। इसमें आगे कहा गया है कि बैठक में कर पारदर्शिता, वित्तीय सूचनाओं के आदान-प्रदान और अपतटीय कर चोरी से निपटने के लिए संयुक्त प्रयासों पर वैश्विक सहयोग को मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। ग्लोबल फ़ोरम प्लेनरी सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों में से एक है जहाँ सदस्य देश कर पारदर्शिता प्रणालियों को बेहतर बनाने और सीमाओं के पार वित्तीय सूचनाओं के आवागमन के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने हेतु मिलकर काम करते हैं।

ऋषिकेश से लेकर महाराष्ट्र तक खूब घूम रहा आसाराम जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची पीड़िता

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। उत्तर प्रदेश की दुष्कर्म पीड़िता के पिता ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी देकर खुद को भगवान बताने वाले और रेप के दोषी आसाराम को गुजरात हाई कोर्ट से मिली छह महीने की बेल रद्द करने की मांग की है। आसाराम (84) को पहली बार 2013 में गिरफ्तार किया गया था, जब शाहजहांपुर की एक 16 साल की लड़की ने उन पर राजस्थान के जोधपुर में उनके आश्रम में यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। 2018 में पोस्को एक्ट के तहत दोषी ठहराए जाने के बाद आसाराम को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। 2023 में गुजरात में उनकी आखिरी सजा के बाद एक और उम्रकैद की सजा हुई। पीड़िता के पिता ने सोमवार को दावा किया कि जबसे आसाराम को जमानत मिली है, तबसे वह डरे हुए हैं और उन्हें धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आसाराम बीमार नहीं हैं।

वकील ने सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि अगस्त में, उच्च न्यायालय ने एक मेडिकल बोर्ड का गठन किया था, जिसने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि आसाराम की हालत स्थिर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं है। जोसेफ ने यह भी तर्क दिया कि चिकित्सा आधार पर ज़मानत पाने वाले आसाराम अहमदाबाद, जोधपुर और इंदौर सहित अन्य स्थानों की यात्रा कर रहे हैं। वकील ने बताया कि आसाराम ऋषिकेश से महाराष्ट्र भी गए थे। जोसेफ ने बताया कि आसाराम ने कभी किसी अस्पताल में लंबे समय तक इलाज नहीं कराया। उन्होंने आगे बताया कि आसाराम जोधपुर में आयुर्वेदिक उपचार ले रहे हैं और उन्हें कोई बीमारी नहीं है।

29 अक्टूबर को राजस्थान उच्च न्यायालय ने नाबालिग से बलात्कार के आरोप में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को चिकित्सा आधार पर छह महीने की ज़मानत दे दी। आसाराम के वकील देवदत्त कामत ने तर्क दिया कि वह लंबे समय से बीमार हैं और जेल में उनका उचित इलाज संभव नहीं है।

एशेज में ऑस्ट्रेलिया को झटका

पीठ दर्द के कारण उस्मान ख्वाजा दूसरे टेस्ट से बाहर, सलामी जोड़ी पर फिर संकट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अनुभवी सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा पीठ की चोट के कारण ब्रिस्बेन में होने वाले डे-नाइट एशेज टेस्ट से बाहर हो गए हैं, जिससे एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया को अपनी सलामी जोड़ी पर पुनर्विचार करना पड़ रहा है। लगभग दो हफ्ते पहले पर्थ में लगी चोट से उबरने में नाकाम रहने के बाद ख्वाजा का अंतरराष्ट्रीय भविष्य सवालों के घेरे में आ गया है। हालाँकि जोश इंगलिस और ब्यू वेबस्टर दोनों को प्लेइंग इलेवन में जगह देने पर विचार किया जा रहा है, लेकिन ख्वाजा को दूसरे टेस्ट से बाहर करने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने टीम में किसी अन्य खिलाड़ी को शामिल नहीं किया है।

38 वर्षीय ख्वाजा, जो इस महीने के अंत में 39 साल के हो जाएँगे, ने मंगलवार को गाबा में 30 मिनट का नेट अभ्यास किया। वह कई मौकों पर असहज दिखे और गुरुवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट के लिए पूरी तरह से फिट नहीं हो पाए हैं। ख्वाजा की अनुपस्थिति में, ऑस्ट्रेलिया को इस एशेज सीरीज़ में एक बार फिर नई सलामी जोड़ी उतारनी होगी। पहले टेस्ट में ख्वाजा की पीठ में ऐंठन के कारण टीम को पहले मार्नस लाबुशेन और फिर ट्रैविस हेड को अस्थायी सलामी बल्लेबाज के रूप में इस्तेमाल करना पड़ा था।

इससे पहले, मार्नस लाबुशेन ने ख्वाजा के शानदार टेस्ट फॉर्म की तारीफ की थी, लेकिन इस पर कोई टिप्पणी नहीं की थी कि इस अनुभवी खिलाड़ी को आगामी मैच के लिए चुना जाना चाहिए या नहीं। क्रिकेट.कॉम.एयू के हवाले से, लाबुशेन ने पत्रकारों से कहा, 'उस्मान एक उच्च-गुणवत्ता वाला खिलाड़ी है। आप उसका रिकॉर्ड देखें... उसने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए क्या किया है, खासकर जब से वह वापस आया है, वह बेहद लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, वह शीर्ष पर वाकई एक मजबूत स्तंभ रहा है।'

उन्होंने आगे कहा कि इस बारे में काफी चर्चा हुई है कि उसके समय में उसके कितने सलामी जोड़ीदार रहे हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन मैं चयनकर्ता नहीं हूं और जो कुछ भी होता है, वह मेरे वेतन स्तर से ऊपर के लोगों पर निर्भर करता है और वे क्या सोचते हैं कि हमारे लिए खेल और यह श्रृंखला जीतने का सबसे अच्छा तरीका क्या है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ खेल दर खेल होता है और आप यह पता लगाते हैं कि आपकी सर्वश्रेष्ठ टीम कौन सी है और वह खेल के लिए सबसे अच्छा कैसे काम करती है।

मुद्रास्फीति में गिरावट, ग्रोथ मजबूत

आरबीआई रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर सकता है, केयरएज की रिपोर्ट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बैंक ऑफ़ बड़ौदा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया (आरबीआई) शुक्रवार को अपनी आने वाली मॉनेटरी पॉलिसी की घोषणा में रेपो रेट को 5.50 परसेंट पर बनाए रख सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सेंट्रल बैंक अपना मौजूदा न्यूट्रल रुख भी बनाए रख सकता है। इसमें कहा गया है, 'हमें उम्मीद है कि आरबीआई दिसंबर 2025 में रेपो रेट को 5.50 परसेंट पर स्थिर रखेगा। रुख के भी न्यूट्रल बने रहने की उम्मीद है।'

मुद्रास्फीति में तेज गिरावट और मजबूत वृद्धि को देखते हुए आरबीआई अपनी आगामी दिसंबर मौद्रिक नीति समीक्षा के दौरान रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती करने की घोषणा कर सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी केयरएज ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह बात कही। इसके मुताबिक अक्टूबर में मुद्रास्फीति दस साल के निचले स्तर 0.3 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो आरबीआई के चार प्रतिशत के लक्ष्य से काफी नीचे है। रिपोर्ट में कहा गया कि ऐसे में दर कटौती के लिए नीतिगत गुंजाइश बन गई है। इस समय रेपो दर 5.5 प्रतिशत है।

केयरएज ने कहा, कच्चे तेल की स्थिर कीमतें, रबी की अच्छी बुवाई और चीन में अतिरिक्त क्षमता जैसे कारक मुद्रास्फीति को तेजी से बढ़ने से रोकेंगे। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि 8.2 प्रतिशत होने के बावजूद केयरएज का मानना है कि दूसरी छमाही में यह लगभग सात प्रतिशत रहेगी।

ऐसा इसलिए है क्योंकि निर्यात के मोर्चे पर दबाव बना हुआ है और त्योहारों के बाद उपभोग में सुस्ती आएगी। रिपोर्ट में पूरे वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि बाद में और मॉनेटरी सपोर्ट की ज़रूरत पड़ सकती है, खासकर अगर मौजूदा टैरिफ से जुड़ी चुनौतियाँ बनी रहती हैं। मौजूदा रेट बनाए रखने से पिछली रेट कट का असर सिस्टम में पूरी तरह से दिखने के लिए ज़्यादा समय मिलेगा। हाल के इकोनॉमिक इंडिकेटर्स को देखते हुए, रिपोर्ट में उम्मीद है कि मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी अपने ग्रोथ प्रोजेक्शन को ऊपर की ओर रिवाइज करेगी। साथ ही, महंगाई के प्रोजेक्शन को नीचे की ओर रिवाइज किए जाने की संभावना है।

एआई से लैस नया बैंकिंग प्लेटफॉर्म, डिजिटल ठगी पर लगाम, चुटकियों में होगा समाधान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि भारतीय रिज़र्व बैंक में शिकायतों के निपटान को सुव्यवस्थित करने के लिए उन्नत सुविधाओं और एआई-सक्षम उपकरणों के साथ शिकायत प्रबंधन प्रणाली को उन्नत करने की योजना बनाई जा रही है। राज्यसभा में एक अतारांकित प्रश्न का उत्तर देते हुए, वित्त राज्य मंत्री, पंकज चौधरी ने कहा कि रिजर्व बैंक-एकीकृत लोकपाल योजना में संशोधन के माध्यम से शिकायत समाधान की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया जा रहा है। इसके अलावा, भारतीय रिज़र्व बैंक ने लोकपाल कर्मचारियों के कौशल को मज़बूत करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए हैं, शिकायतों के प्रभावी निपटान के लिए व्यावहारिक कार्यशालाओं का आयोजन करता है और समय-समय पर आंतरिक रूप से कर्मचारियों की आवश्यकताओं का आकलन करता है।

इन पहलों से परिचालन दक्षता में सुधार और शिकायत समाधान में देरी को कम करने में मदद मिलेगी। एस निरंजन रेड्डी ने राज्यसभा में रिज़र्व बैंक-एकीकृत लोकपाल योजना (आरबी-आईओएस) के तहत शिकायतों के समाधान में बढ़ती देरी के कारणों के बारे में एक प्रश्न उठाया। रेड्डी ने बताया कि आरबी-आईओएस के तहत अनधिकृत डिजिटल भुगतान लेनदेन से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए औसत टर्नअराउंड समय (टीएटी) वित्त वर्ष 2022-23 में 36.3 दिनों से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 68.3 दिन हो गया है।

पंकज चौधरी ने अपने उत्तर में उल्लेख किया कि शिकायतों की बढ़ती संख्या और मामलों की बढ़ती जटिलता, विशेष रूप से कई संस्थाओं से जुड़े मामलों, के कारण अनधिकृत डिजिटल भुगतान लेनदेन से संबंधित शिकायतों के समाधान में लगने वाला समय बढ़ गया है। उन्होंने अपने उत्तर में कहा कि इन शिकायतों के लिए शिकायतकर्ता और लाभार्थी(यों) दोनों के खातों के रिकॉर्ड की विस्तृत जाँच आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन, सभी पक्षों के बीच जानकारी साझा करना और व्यक्तिगत सुनवाई प्रदान करना जैसी उचित प्रक्रिया संबंधी आवश्यकताएँ भी समाधान की समयसीमा को बढ़ाने में योगदान करती हैं।

लंबी अवधि के प्रारूप मुझे रास आते हैं, विकेटों के बीच दौड़ने पर कोहली से सलाह लेता हूं : तिलक

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा को लंबे प्रारूपों में खेलना रास आता है और वह विराट कोहली से फिटनेस और विकेटों के बीच दौड़ के बारे में सलाह ले रहे हैं ताकि आने वाले मौकों का पूरा फायदा उठा सकें। तेइस वर्षीय इस खिलाड़ी ने अब तक सिर्फ चार वनडे खेले हैं जबकि उन्हें टेस्ट टीम में मौका मिलने का इंतजार है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वनडे श्रृंखला में टीम में कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों की मौजूदगी से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

तिलक ने 'जियोस्टार' से कहा, '' वनडे और टेस्ट क्रिकेट मेरे खेल के मुताबिक है और मैं इसका अधिक लुत्फ उठाता हूं। मैं और वनडे खेलने के लिए उत्साहित हूं। जब रोहित भाई और विराट भाई एक ही टीम में होते हैं, तो आत्मविश्वास का स्तर बिल्कुल अलग होता है।'' उन्होंने रोहित और कोहली की तारीफ करते हुए कहा, ''उनके पास अपार अनुभव और ज्ञान है। मैं बेहतर होने के लिए उनसे ज्यादा से ज्यादा सलाह लेने की कोशिश करता हू।''

इस युवा वामहस्त बल्लेबाज ने कहा कि वह कोहली से खास तौर पर फिटनेस और विकेटों के बीच दौड़ के बारे में सलाह लेते रहे हैं क्योंकि वह इस मामले में वह उत्कृष्टता हासिल करना चाहते हैं। तिलक ने कहा, ''मैं विराट भाई से काफी बात करता हूं, खासकर फिटनेस और विकेटों के बीच दौड़ के बारे में उनकी सलाह लेता हूं। मुझे भी दौड़ना पसंद है और मुझे लगता है कि इस मामले में मैं काफी तेज हूं। '' दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा वनडे श्रृंखला के बारे में तिलक ने कहा, ''दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुझे जब भी मौके मिलेंगे, मैं उन मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ करना चाहूंगा। मैं वनडे और टेस्ट में भी खुद को साबित करना चाहता हूं।

साउथ अफ्रीका के डी कॉक का '13, 000 रन क्लब' में शामिल होने का लक्ष्य

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर-बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक बुधवार को रायपुर में भारत के खिलाफ दूसरे वनडे में प्रोटियाज के 13, 000 अंतरराष्ट्रीय रन क्लब के सातवें सदस्य बनने का लक्ष्य रखेंगे। भारत बुधवार को होने वाले रायपुर वनडे में तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त के साथ उतरेगा। रांची में पहले वनडे में शून्य पर आउट होने के बाद, क्विंटन डी कॉक एक ऐसे प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ वापसी करना चाहेंगे जिसके खिलाफ उनका ऐतिहासिक रिकॉर्ड बेहद शानदार रहा है।

क्विंटन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के लिए सातवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 309 मैचों और 345 पारियों में 40.13 की औसत से 12, 924 रन बनाए हैं, जिसमें 29 शतक और 70 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 178 है। सिर्फ 76 रन और बनाने के बाद वह प्रोटियाज के लिए 13, 000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर लेंगे। दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी महान ऑलराउंडर जैक कैलिस हैं, जिन्होंने 513 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 610 पारियों में 49.45 की औसत से 25, 422 रन बनाए हैं, जिसमें 62 शतक और 149 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 224 रन है।

उनके बाद एबी डिविलियर्स हैं: (415 मैचों में 48.33 की औसत से 19, 864 रन, 47 शतक) और हाशिम अमलाः (346 पारियों में 46.49 की औसत से 18, 553 रन, 55 शतक)। क्यूडीके का बल्ला सबसे ज़्यादा तब चलता है जब भारतीय जर्सी पहने कोई गेंदबाज़ क्रीज़ के दूसरी तरफ़ होता है। 21 मैचों और पारियों में, उन्होंने 51.28 की औसत से 1, 077 रन बनाए हैं, जिसमें छह शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं।

इस साल दोनों सीमित ओवरों के प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद से, यह बाएँ हाथ का बल्लेबाज़ वनडे में शानदार फॉर्म में है, जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में वह फॉर्म की समस्याओं से जूझ रहा है। अब तक चार वनडे मैचों में, उन्होंने इस साल 79.66 की औसत और 91 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 239 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं।

वैभव सूर्यवंशी की नाबाद शतकीय पारी बेकार गई, महाराष्ट्र के खिलाफ हारा बिहार

कोलकाता **(एजेंसी)**। प्रतिभावान बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की 61 गेंद में नाबाद 108 रन की पारी के बावजूद बिहार को मंगलवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी मैच में महाराष्ट्र के खिलाफ तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर बिहार ने 14 साल के सूर्यवंशी की नाबाद पारी से तीन विकेट पर 176 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और सात छक्के मारे और टूर्नामेंट के इतिहास में शतक जड़ने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। इसके जवाब में महाराष्ट्र ने कप्तान पृथ्वी साव की 30 गेंद में 66 रन की पारी के अलावा नीरज जोशी(30), रंजीत निकम (27) और निखिल नाईक (22) की पारियों से पांच गेंद शेष रहते सात विकेट पर 182 रन बनाकर जीत दर्ज की।

मोहम्मद इजहार (22 रन पर दो विकेट) और सकीबुल गनी (50 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाकर बिहार को मैच में बनाए रखा लेकिन महाराष्ट्र ने अंततः धैर्य बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की। इससे पहले सूर्यवंशी ने सात छक्के जड़ बिहार की ओर से टी20 पारी में सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने आयुष लोहारुका (नाबाद 25) के साथ चौथे विकेट के लिए 75 रन जोड़े। सूर्यवंशी ने अंतिम ओवर में अर्शिन कुलकर्णी पर चौके के साथ शतक पूरा किया।

जाधवपुर यूनिसर्विटी मैदान पर गोवा ने मध्य प्रदेश को सात विकेट से हराया। मध्य प्रदेश के 171 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गोवा ने सुयश प्रभुदेसाई (नाबाद 75) और अभिनव तेजराणा (55) के अर्धशतक से 18.3 ओवर में तीन विकेट पर171 रन बनाकर जीत दर्ज की। मध्य प्रदेश ने इससे पहले हरप्रीत सिंह के 80 रन की बदौलत छह विकेट पर 170 रन बनाए।

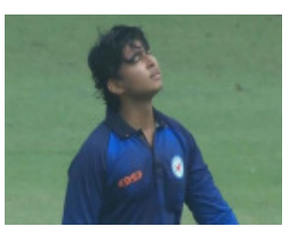

डिजिटल धोखाधड़ी में इस्तेमान होने वाली सुरक्षा खामियों को दूर करने के लिए हुई सिम बाइंडिंग की व्यवस्था

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सरकार ने सोमवार को कहा कि मैसेजिंग ऐप के इस्तेमाल के लिए अनिवार्य, निरंतर सिम-'डिवाइस बाइंडिंग' पर उसका ताजा निर्देश सुरक्षा खामी को दूर करने के लिए जरूरी है। इस गड़बड़ी का फायदा अक्सर सीमापार साइबर अपराधी बड़े पैमाने पर डिजिटल धोखाधड़ी करने के लिए उठा रहे हैं। बीते वर्ष 2024 में साइबर धोखाधड़ी से होने वाले नुकसान 22, 800 करोड़ रुपये से ज्यादा होने का अनुमान लगाते हुए सरकार ने यह बात कही।

'सिम बाइंडिंग' एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें एक मैसेजिंग ऐप यह सत्यापित करता है कि आपके डिवाइस में पंजीकृत सिम कार्ड सक्रिय है। अगर सिम हटा दिया जाता है, बदल दिया जाता है या निष्क्रिय कर दिया जाता है, तो ऐप काम करना बंद कर देगा। संचार मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह निर्देश उन मामलों पर लागू नहीं होगा जहां सिम हैंडसेट में मौजूद है और उपयोगकर्ता रोमिंग पर है। बयान में कहा गया, ''दूरसंचार विभाग के सिम-बाइंडिंग निर्देश एक ठोस सुरक्षा खामी को दूर करने के लिए जरूरी है। इसका फायदा प्रायः साइबर अपराधी बड़े पैमाने पर डिजिटल धोखाधड़ी करने के लिए उठा रहे हैं।'' संबंधित सिम हटाए जाने, निष्क्रिय किए जाने या विदेश ले जाए जाने के बाद भी 'इंस्टेंट मैसेजिंग' और कॉलिंग ऐप पर खातेकाम करते रहते हैं। इससे गुमनाम तरीके से घोटाले, सुदूर क्षेत्र से 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी और भारतीय नंबरों का इस्तेमाल करके सरकारी पहचान छिपाने वाले कॉल संभव हो जाते हैं। बयान के अनुसार, सिर्फ 2024 में साइबर धोखाधड़ी से नुकसान 22, 800 करोड़ रुपये से अधिक रहा।

इसके साथ, ''दूरसंचार साइबर सुरक्षा नियमों के तहत ये समान, लागू करने योग्य निर्देश दूरसंचार पहचानकर्ताओं के दुरुपयोग को रोकने, पता लगाने की क्षमता सुनिश्चित करने और भारत के डिजिटल परिवेश में नागरिकों के विश्वास की रक्षा करने के लिए एक उचित उपाय हैं।'' बैंकिंग और भुगतान ऐप में 'डिवाइस बाइंडिंग' और स्वचालित रूप से सत्र 'लॉगआउट' का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है ताकि अन्य गैर-भरोसेमंद उपकरणों से खातों में सेंध लगाने या किसी प्रकार के दुरुपयोग को रोका जा सके।

इसी उद्देश्य से इसे ऐप-आधारित संचार मंच तक बढ़ाया गया है जो अब 'साइबर धोखाधड़ी के केंद्र' हैं। पिछले सप्ताह, केंद्र ने कुछ निर्देश जारी कर यह सुनिश्चित करने को कहा कि व्हाट्सएप, सिग्नल, टेलीग्राम जैसे ऐप-आधारित संचार सेवाएं उपयोगकर्ता के सक्रिय सिम कार्ड से लगातार जुड़ी रहें।

विजय माल्या का सीबीआई को खुला खत

बोले- 'सरकार और बैंक वसूली के आंकड़ों में कर रहे खेल', रिटायर जज से जांच की मांग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भगोड़े आर्थिक अपराधी विजय माल्या ने केंद्र सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से उनसे बरामद की गई रकम के बारे में असंगत बयानों पर सवाल उठाया है और मामले की जांच के लिए एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की नियुक्ति की मांग की है। माल्या ने कहा कि सरकार और बैंक संसद और जनता के सामने परस्पर विरोधी आंकड़े पेश कर रहे हैं। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कब तक भारत सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक मुझे और जनता को धोखा देते रहेंगे? वित्त मंत्री संसद में कहती हैं कि मुझसे 14, 100 करोड़ रुपये वसूले गए। बैंक कहते हैं कि 10, 000 करोड़ रुपये वसूले गए। 4, 000 करोड़ रुपये के अंतर का क्या? उन्होंने आगे बताया कि राज्य मंत्री ने अब संसद को बताया है कि उन पर अभी भी 10, 000 करोड़ रुपये बकाया हैं, जबकि बैंकों का दावा है कि उन पर 7, 000 करोड़ रुपये बकाया हैं।

उन्होंने कहा कि वसूली गई राशि का कोई लेखा विवरण या जमा नहीं है और साथ ही यह भी कहा कि गणनाओं पर स्पष्टता की आवश्यकता है। माल्या ने तर्क दिया कि वास्तविक आंकड़ों की पुष्टि के लिए एक स्वतंत्र जांच आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सच्चाई का पता लगाने के लिए एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की नियुक्ति क्यों न की जाए, खासकर जब मेरा न्यायोचित ऋण 6, 203 करोड़ रुपये है। इस स्थिति को मेरे लिए एक दयनीय स्थिति बताया।

ऑनलाइन सट्टेबाजी के जाल में फंसी अभिनेत्री नेहा शर्मा ईडी के सवालों में उलझीं! 11 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति कुर्क

नेहा शर्मा एक इंडियन एक्ट्रेस, मॉडल और बिज़नेसवुमन हैं। शर्मा यमला पगला दीवाना 2, सोलो और तान्हाजी जैसी कई फिल्मों में नज़र आ चुकी हैं। उन्होंने 2020 में सीरीज़ इल्लीगल से अपना वेब डेब्यू किया और शॉर्ट फिल्म कृति और विकल्प का भी हिस्सा रही हैं, जहाँ उन्होंने टाइटल रोल किए थे। नेहा शर्मा एक जाना माना चेहरा है। अब ताजा खबरों की माने तो नेहा शर्मा की मुश्किलें बढ़ रही हैं। मॉडल और अभिनेत्री नेहा शर्मा ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच '1एक्सबेट' से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन नि

अधिकारियों ने बताया कि शर्मा (38) का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत दर्ज किया जा रहा है। माना जा रहा है कि शर्मा कुछ विज्ञापनों के माध्यम से सट्टेबाजी मंच से जुड़ी हुई हैं। संघीय जांच एजेंसी ने इससे पहले इसी मामले में पूर्व क्रिकेटरों शिखर धवन और सुरेश रैना से इसी तरह पूछताछ के बाद उनकी 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी। कुराकाओ में पंजीकृत, '1एक्सबेट' को पोर्टल द्वारा सट्टेबाजी उद्योग में 18 वर्षों के अनुभव के साथ विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सट्टेबाज ऐप बताया गया है।

ईडी ने कहा कि '1एक्सबेट' भारत में बिना अनुमति के काम कर रहा था और सोशल मीडिया, ऑनलाइन वीडियो तथा प्रिंट मीडिया के माध्यम से भारतीय उपयोगकर्ताओं को लक्षित करने के मकसद से विज्ञापनों का इस्तेमाल कर रहा था। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में भारत में वास्तविक धन वाले ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक कानून लाया गया है।

इस मामले में दो क्रिकेटरों की संपत्ति कुर्क किए जाने के अलावा ईडी ने इस जांच के तहत खेलजगत की हस्तियां युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा, अभिनेता सोनू सूद, उर्वशी रौतेला ('1एक्सबेट' की भारतीय ब्रांड एंबेसडर), मिमी चक्रवर्ती (तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद) और अंकुश हाजरा (बंगाली अभिनेता) से भी पूछताछ की।

बुलिंग की अफवाहों पर ब्रेक, मिली बॉबी ब्राउन ने डेविड हार्बर की जमकर तारीफ

एक्ट्रेस मिली बॉबी ब्राउन को डेविड हार्बर से खुद को बचाने के लिए अपने किरदार इलेवन की शक्तियों की जरूरत नहीं है। उन्होंने साफ किया है कि बुलिंग की अफवाहों के बावजूद, दोनों के बीच सब कुछ ठीक है।

'डेडलाइन' के साथ एक इंटरव्यू में, 'स्ट्रेंजर थिंग्स' के आखिरी सीजन पर बात करते हुए, मिली ने अपने को-स्टार्स के साथ अपने रिश्ते पर बात की। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह सेट पर सभी के साथ सुरक्षित महसूस करती हैं और खासतौर पर डेविड हार्बर के साथ उनका रिश्ता बहुत मजबूत है।

मिली ने बताया कि हार्बर शो में उनके पिता (हॉपर) का रोल निभाते हैं। इस वजह से, उन्होंने सालों तक एक-दूसरे के साथ काम किया है और अब उनके बीच काफी अच्छी दोस्ती हो गई है।

मिली का कहना है कि इस सीजन में उनके और डेविड के कुछ बेहद असरदार सीन हैं, जो फैंस को बहुत पसंद आएंगे। उन्होंने कहा कि उन सीन्स को देखते हुए वह 'हर बार अपना बेस्ट प्रदर्शन' देना चाहती हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि डेविड भी वैसा ही करेंगे।

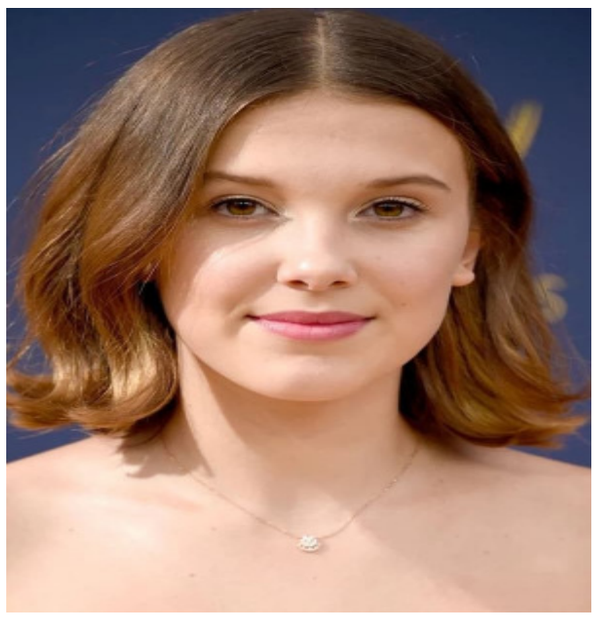

दरअसल, यह बात इसलिए खास है क्योंकि इस महीने की शुरुआत में एक खबर आई थी। उस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि मिली ने शो के आखिरी सीजन की शूटिंग के दौरान डेविड हार्बर के खिलाफ बुलिंग और हैरेसमेंट की कई पन्नों की शिकायत दर्ज कराई थी।

हालांकि, 'स्ट्रेंजर थिंग्स' के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर शॉन लेवी ने उस रिपोर्ट को 'पूरी तरह से गलत' बताया था। उन्होंने दावा किया था कि सेट का माहौल हमेशा सुरक्षित रहा है। वहीं, मिली ने भी अब अपने को-स्टार डेविड हार्बर की जमकर तारीफ करके इन अफवाहों पर विराम लगा दिया है।